RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 31 अंक : 48 सोमवार 24 फरवरी से 2 मार्च, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

डीएम व एडीएम सिटी ने दूधेश्वर नाथ मंदिर में महाशिवरात्रि... ...2

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत: पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भोपाल में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया और उद्योग, स्टार्टअप और अन्य पर मध्य प्रदेश सरकार की 18 नीतियों का अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही मध्य प्रदेश को निवेश केंद्र बनाएगी। मोदी ने कहा कि विकसित मध्य प्रदेश से विकसित भारत की यात्रा में आज का ये कार्यक्रम बहुत अहम है। इस भव्य आयोजन के लिए मैं मोहन यादव जी और उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए इतनी आशावादी है। पूरी दुनिया में चाहे सामान्य जन हो, अर्थनीति के विशेषज्ञ हो, विभिन्न देश हो या फिर संस्थान इन सभी को भारत से बहुत आशाएं हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही विश्व बैंक ने कहा है कि भारत आने वाले वर्षों में ऐसे ही दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। कुछ ही दिन पहले जलवायु परिवर्तन पर वठ की एक संस्था ने भारत को सौर ऊर्जा की सुपरपॉवर कहा था। इस संस्था ने ये भी कहा कि जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर दिखाता है।

मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश जनसंख्या के हिसाब से भारत का 5वां सबसे बड़ा राज्य है। मध्य प्रदेश कृषि के मामले में भारत के टॉप के राज्यों में है। खनीज के हिसाब से भी मध्य प्रदेश देश के टॉप 5 राज्यों में है।

मध्य प्रदेश को जीवनदायिनी मां नर्मदा का भी आशीर्वाद प्राप्त है। मध्य प्रदेश में हर वो संभावना है, हर वो संभावना है जो इस राज्य को GDP के हिसाब से भी देश के top 5 राज्यों में ला सकता है। उन्होंने कहा कि बीते 2 दशकों में मध्य प्रदेश ने परिवर्तन का नया दौर देखा है। एक समय था जब यहां बिजली और पानी की बहुत सारी दिक्कतें थीं। कानून-व्यवस्था की स्थिति तो और भी खराब थी। ऐसी हालत में यहां इंडस्ट्री का विकास बहुत मुश्किल था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 2 दशक में मध्य प्रदेश के लोगों के सपोर्ट से यहां की भाजपा सरकार ने शासन पर फोकस किया। दो दशक पहले तक लोग MP में निवेश करने से डरते थे। आज MP निवेश के लिए देश के top राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में भारत नेआधारभूत संरचना के विकास में उछाल का दौर देखा है।

इसका बहुत बड़ा फायदा मध्य प्रदेश को मिला है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे जो देश के 2 बड़े शहरों को जोड़ रहा है, उसका बड़ा हिस्सा MP से ही होकर गुजर रहा है। यानी एक तरफ MP को मुंबई के ports के लिए तेज कनेक्टिविटी मिल रही है और दूसरी तरफ उत्तर भारत के बाजार को भी ये कनेक्ट कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि औद्योगिक विकास के लिए जल सुरक्षा होना कितना जरुरी है। इसके लिए हम एक तरफ जल संरक्षण पर बल दे रहे हैं। दूसरी तरफ हम नदी जोड़ का मिशन लेकर भी आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीता दशक भारत के लिए ऊर्जा क्षेत्र की अभूतपूर्व वृद्धि का रहा है।

खासतौर पर हरित ऊर्जा को लेकर भारत ने वो कर दिखाया है, जिसकी कल्पना तक मुश्किल थी। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में भारत की growth के हर पहलू पर हमने फोकस किया है। इस बजट में middle class को सशक्त करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। हमने 12 लाख रुपये तक की income को tax free किया है। Tax slabs को estructure किया है। बजट के बाद RBI ने भी ब्याज दरें घटाई हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पदभार संभालने के एक दिन बाद शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में और उपराष्ट्रपति धनखड़ से राष्ट्रीय राजधानी में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में मुलाकात की। इससे पहले दिन में, रेखा गुप्ता ने समर्थकों से मुलाकात के दौरान आभार व्यक्त किया और कहा कि दिल्ली सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में ही आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दे दी, जिसे आप ने 'अवरुद्ध' कर दिया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे के मुद्दों के बारे में भी बात की जिन पर आगामी कैबिनेट बैठकों में चर्चा की जाएगी। मीडिया से बात करते हुए दिल्ली के नए सीएम ने कहा कि कल कैबिनेट बैठक में हमने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दे दी, जिसे आप ने रोक दिया था। योजना जल्द ही सार्वजनिक डोमेन में होगी। आज,

हमने कैबिनेट के साथ बैठक के लिए पीडब्ल्यूडी और जल बोर्ड के अधिकारियों को बुलाया है। हम गड्ढों के मुद्दे को उठाएंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने भी लोगों से बातचीत की, क्योंकि शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग शालीमार बाग में उनके आवास के बाहर उनका स्वागत करने के लिए एकत्र हुए थे। लोग मालाएं और फूलों के गुलदस्ते लेकर उन्हें बधाई देने पहुंचे। रेखा गुप्ता ने गुरुवार को रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली में भाजपा की दूसरी और राष्ट्रीय राजधानी में चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिपरिषद को पद की शपथ दिलाई। छह अन्य मंत्रियों प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंदर इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह ने भी पद की शपथ ली। शालीमार बाग सीट से निर्वाचित रेखा गुप्ता ने दिल्ली में भाजपा महिला मोर्चा की महासचिव और इसकी राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है।

महाकुंभ में बॉलीवुड-अध्यात्म का अद्भुत संगम, अक्षय कुमार ने लगाई डुबकी

प्रयागराज। महाकुंभ में बॉलीवुड और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार अक्षय कुमार ने सोमवार को त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने भी स्वामी चिदानंद सरस्वती के आश्रम में पहुंचकर सनातन संस्कृति के पावन पर्व की सुखद अनुभूति प्राप्त की। महाकुंभ में बॉलीवुड सितारों की उपस्थिति यह दशार्ती है कि चाहे आप किसी भी पेशे में हों, आध्यात्मिक शांति और संतुलन अत्यंत आवश्यक है। संगम में स्नान करने के बाद बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने कहा, मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। 2019 के कुंभ में लोगों को काफी दिक्कतें होती थीं, लेकिन इस बार सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित है।

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में अधिक महिलाओं को शामिल करना जरूरी: राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में मुलाकात करने आए महिला शांति सैनिकों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शांति मिशन में महिलाओं की उपस्थिति इसे और अधिक विविध और समावेशी बनाती है। राष्ट्रपति ने कहा, 'महिला शांति सैनिकों की स्थानीय समुदायों तक बेहतर पहुंच होती है और वे महिलाओं और बच्चों के लिए आदर्श बन सकती हैं।

वे लिंग आधारित हिंसा से निपटने, विश्वास बनाने और संवाद को बढ़ावा देने के लिए बेहतर ढंग से सक्षम हैं।' राष्ट्रपति ने कहा कि जिन शांति मिशनों में महिला कर्मियों का प्रतिशत अधिक है, वे हिंसा को कम करने तथा दीर्घकालिक शांति समझौते प्राप्त करने में अधिक प्रभावी रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इसलिए यह आवश्यक है कि हम संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में अधिकाधिक महिलाओं को शामिल करें।' राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में योगदान के भारत के गौरवशाली इतिहास को याद किया।

भारत के 2,90,000 (2.90 लाख) से अधिक शांति सैनिकों ने 50 से अधिक मिशनों में अपनी सेवा दी है। मुर्मू ने कहा, 'आज, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए, नौ सक्रिय मिशनों में 5,000 से अधिक भारतीय शांति सैनिक तैनात हैं, जो अक्सर प्रतिकूल परिस्थितियों में भी तैनात रहते हैं।' राष्ट्रपति ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय महिला शांति सैनिक अपने कर्तव्य के निर्वहन में आगे रहीं हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'आज, छह संयुक्त राष्ट्र मिशनों में 154 से अधिक भारतीय महिला शांति सैनिक तैनात हैं। 1960 के दशक में कांगो से लेकर 2007 में लाइबेरिया में पुलिसिंग तक, हमारी महिला शांति सैनिकों ने व्यावसायिकता और आचरण की उच्चतम परंपराओं का प्रदर्शन किया है।' राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, महिला शांति सैनिक 'शांति स्थापना में महिलाएं: एक वैश्विक दक्षिण परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं, जिसका आयोजन विदेश मंत्रालय की ओर से रक्षा मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक दक्षिण की महिला अधिकारियों को एक मंच पर लाकर शांति स्थापना से जुड़ी समकालीन प्रासंगिक मुद्दों और शांति स्थापना मिशनों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा करना है।

महाकुंभ पर टिप्पणी को लेकर भड़के सीएम योगी, बोले- गिद्धों को लाशें नजर आती हैं सनातन की सुंदरता नहीं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन को संबोधित किया और इस दौरान उन्होंने अभिभाषण के दौरान सपा नेताओं के आचरण को शर्मनाक करार दिया।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर टिप्पणी करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने महाकुंभ में अव्यवस्था और भगदड़ के मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादियों और वामपंथियों को सनातन की सुंदरता रास नहीं आ रही है।

उन्होंने एक सोशल मीडिया टिप्पणी के माध्यम से विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली। सुअरों को गंदगी मिली। संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली।

आस्थावानों को पुण्य मिला। गरीबों को रोजगार मिला। अमीरों को धंधा मिला। श्रद्धालुओं को साफसुथरी व्यवस्था मिली। पर्यटकों को अव्यवस्था मिली। सद्भावना वाले लोगों को जातिरहित व्यवस्था मिली। एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर किए जाने वाले प्रश्न समाजवादियों और वामपंथियों की नीयत को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की व्यवस्थाओं को मैंने खुद देखा है। सपा सरकार में हुए कुंभ में एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बना दिया गया था क्योंकि तब के मुख्यमंत्री के पास इसके लिए समय नहीं था। मुख्यमंत्री योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा नेताओं के व्यवहार को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि ये लोग संविधान की बात करते हैं। लोकतंत्र की बात करते हैं और महापुरुषों के सम्मान की बात करते हैं लेकिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा के लोगों का जो आचरण था वो बताता है कि वो संविधान के बारे में क्या सोचते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन के आयोजनों से यूपी को नई पहचान मिली है। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली है। प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। यही कारण है कि लाखों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं। हम लोगों ने अब तक 16 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा है जिससे कि 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। ये डबल इंजन की सरकार का ही परिणाम है कि आज दुनिया भर के देश यूपी में निवेश के लिए आ रहे हैं।

विजेंद्र गुप्ता बने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष

नई दिल्ली। रोहिणी से बीजेपी विधायक विजेंद्र गुप्ता को दिल्ली विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा गुप्ता का नाम प्रस्तावित किये जाने के बाद उन्हें ध्वनि मत से विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। उनकी उम्मीदवारी का बीजेपी के मनजिंदर सिंह सिरसा ने समर्थन किया। उनके निर्वाचित होने के बाद, सीएम रेखा और विपक्ष की नेता (एलओपी) आतिशी सदन की परंपरा के अनुसार उनके साथ आसन तक गए।

रोहिणी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी भाजपा

उम्मीदवारों के बीच सबसे बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने 37,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की। हालांकि, तुरंत बाद में अअढ विधायकों ने दिल्ली विधानसभा के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने आरोप लगाया कि सीएम कार्यालय से डॉ. बीआर अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटा दी गई हैं। इसको स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने गैरजिम्मेदाराना बताया।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह एक शिष्टाचार संबोधन था। आपको इसे राजनीतिक मंच नहीं बनाना चाहिए था। विपक्ष नहीं चाहता कि सदन सुचारू रूप से चले। अअढ सदन को बाधित करने के इरादे से आई है। सदन की गरिमा बनाए रखें। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले दिन में, एलजी वीके सक्सेना ने प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली को शपथ दिलाई, जिन्होंने आठवीं विधानसभा के पहले सत्र में नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण सुबह 11 बजे शुरू हुआ और सबसे पहले सीएम रेखा शर्मा ने शपथ ली। उनके बाद उनके मंत्रिमंडल के अन्य मंत्री और अन्य भाजपा, आप विधायक भी थे।

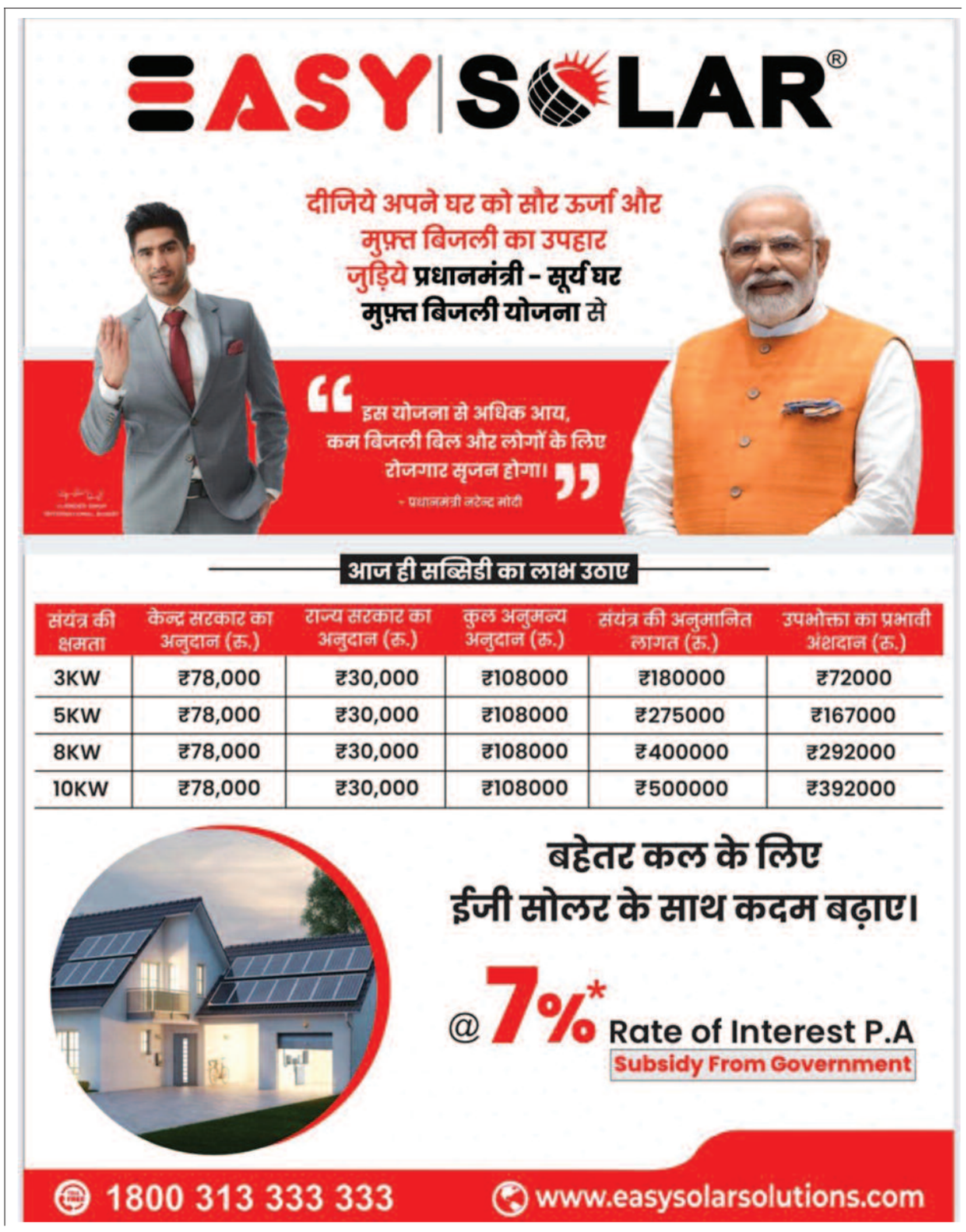

डीएम व एडीएम सिटी ने दूधेश्वर नाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। ऐतिहासिक सिद्ध पीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियां मंदिर के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के पावन सानिध्य व अध्यक्षता में जोर-शोर से चल रही हैं। तैयारियों में सरकारी विभाग भी सहयोग कर रहे हैं। शुक्रवार को जिलाधिकारी दीपक मीणा व एडीएम सिटी गंभीर सिंह मंदिर पहुंचे और मंदिर में पूजा-अर्चना कर तैयारियों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी दीपक मीणा व एडीएम सिटी गंभीर सिंह ने सभी देवताओं की पूजा-अर्चना कर सिद्ध गुरू मुर्तियों की समाधियों पर मत्था टेका। उन्होंने श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज से भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया और महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों को लेकर उनसे चर्चा की। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि मंदिर में 24 फरवरी से 26 फरवरी तक महाशिवरात्रि पर्व महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया जाएगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर देश भर से लाखों श्रद्धालु मंदिर आएंगे और भगवान दूधेश्वर का जलाभिषेक करेंगे। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने महाराजश्री को आश्वासन दिया कि महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। सभी विभाग पूरा सहयोग करेंगे। जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा हर प्रकार का सहयोग दिया जाएगा। महाराजश्री ने जिलाधिकारी दीपक मीणा व एडीएम सिटी गंभीर सिंह का स्वागत किया। वरिष्ठ समाजसेवी अजय चोपडा भी मौजूद रहे।

विजयनगर जोनल कार्यालय का कंस्ट्रक्शन वर्क पूर्ण

नगर आयुक्त ने कार्य की रफ्तार बढ़ाने के दिए निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विजयनगर जोन अंतर्गत नये जोनल कार्यालय को बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा मौके पर पहुंचकर निर्माण की टीम के साथ चल रहे कार्यों का जायजा लिया गया। उन्हें मौके पर कंस्ट्रक्शन वर्क लगभग पूर्ण मिलाऔर फिनिशिंग के कार्य पर तेजी से कार्य करने की निर्देश टीम को दिये। ग्राउंड फ्लोर के साथ-साथ फर्स्ट फ्लोर भी पूर्ण हो चुका हछ फोर सीलिंग लाइटिंग में अन्य कार्य मौके पर चल रहे हैं पार्किंग की व्यवस्था आगंतुकों हेतु अलग से की गई है, पार्किंग का क्षेत्रफल 411 वर्ग मीटर लिया गया है। मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार विजयनगर जोनल कार्यालय का कार्य तेजी से कराया जा रहा है स्वयं नगर आयुक्त महोदय द्वारा समय-समय पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। लगभग 5 करोड़ 29 लाख की लागत से जोनल कार्यालय बनाया जा रहा है मई 2025 में समस्त कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे विजयनगर क्षेत्र वासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 411 स्क्वायर मीटर में पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। विजयनगर जोनल कार्यालय 2964 स्क्वायर मीटर एरिया में बनाया जा रहा है। जोनल टीम के अलावा प्रकाश उद्यान जलकल निर्माण विभाग की टीम भी कार्यालय में रहेगी जिनके लिए अलग-अलग ऑफिस बनाए गए हैं। नगर आयुक्त द्वारा शौचालय को आधुनिक रूप देने के लिए भी निर्देश टीम को दिए गए हैं जिसके क्रम में निर्माण विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है। कार्यदायी संस्था सीएनडीएस द्वारा निर्माण का कार्य कराया जा रहा ह। इस दौरान लक्षद्वीप इंफ्रास्ट्रक्चर की टीम भी उपस्थित रही।

स्वर्णकार समाज का मिलन समारोह संपन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद के आर्य समाज मंदिर में शनिवार को स्वर्णकार समाज का सह परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया जिसमे स्वर्णकार समाज के हितों को लेकर चर्चा हुई, कार्यक्रम की शुरूआत नए सदस्यों के परिचय से हुई, उसके बाद गीत संगीत के कार्यक्रम भी हुए .साथ ही वक्ताओं ने अपने विचार भी रखे .कार्यक्रम में एम पी, पश्चिमी यू पी और दिल्ली के स्वर्णकार भी आये अपना समर्थन और सहयोग दिया। सामाजिक कार्यकर्ता सचिन स्वर्णकार ने कहा कि समाज के सभी लोगों की सकारात्मक सोच, सहयोगी रबैये और एकता से स्वर्णकार समाज को मजबूती मिलेगी. उन्होंने समाज के अन्य लोगो से भी एकजुट होने की अपील की , साथ ही लोगों से सही उम्र में बच्चों के रिश्ते ढूंढ़कर विवाह करने के लिए प्रेरित किया। समाज की कुरीतियां दूर करना लक्ष्य : शेखर वर्मा (आई आर एस) इस दौरान गोल्डन क्लब के संस्थापक शेखर वर्मा ने कहा कि हम लोग ऐसे मिलन समारोह करते हैं ताकि समाज में बहुत प्रकार की विसंगतियां व कुरीतियां को आपस में मिल बैठकर दूर किया जा सके। साथ ही उन्होंने शादियों में फिजूल खर्ची न करने व दहेज रहित शादी की अपील की। समारोह के अंत में सह भोज का आयोजन किया गया , इस मौके पर आयोजित सहभोज में समाज के गणमान्य नागरिक डॉक्टर विनोद वर्मा, राजेश वर्मा, वीरेंद्र वर्मा , अमित वर्मा , दिनेश वर्मा , महेश वर्मा , सचिन वर्मा, रमेश, विनोद, सरित वर्मा, हरि शंकर वर्मा समेत समाज के सैकड़ों महिला पुरुष व बच्चों ने हिस्सा लिया।

राइज इन इंडिया 2025 तीन दिवसीय प्रदर्शनी का समापन

60 से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं के लगभग 15000 युवाओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। तीन दिवसीय एग्जिबिशन राइज इन इंडिया 2025 का समापन हो गया है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद एवं एचआरआईटी यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ अनिल अग्रवाल उपस्थित रहे। उन्होंने प्रदर्शनी में आए विभागों को पुरस्कृत किया गया। 60 से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं के लगभग 15000 युवाओ ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया इसके अलावा शहर के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सरकारी संस्थानों के विभिन्न स्टॉल देखकर एग्जिबिशन की प्रशंसा की। पूर्व सांसद व एचआरआईटी यूनिवर्सिटी चांसलर डॉ अनिल अग्रवाल ने इस एग्जीबिशन के समापन के दिन अपने विचार रखते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन गाजियाबाद में हमेशा होना चाहिए। एग्जिबिशन में आए सभी डिपार्टमेंट के लोगों को अलग अलग कैटिगरी में मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया एवं सबको सर्टिफिकेट बांटे गए। डॉ अनिल अग्रवाल ने कहा कि गाजियाबाद के युवाओं ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर अधिक से अधिक लुफ्त उठाया। यह हम सब के लिए सौभाग्य की बात है कि इस प्रकार की प्रदर्शनी गाजियाबाद में पांचवी बार आयोजित की जा रही है। इससे को अत्यंत लाभ होता है। प्रदर्शनी में विजेता डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी का स्टाल रहा, जबकि दूसरा स्थान जियोलाजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को मिला और तीसरा स्थान इसरो को मिला। प्रदर्शनी का आयोजन परिचित फाउंडेशन दिल्ली द्वारा किया गया। इसमें डीआरडीओ, इसरो, जीएसआई, सीएसआईआर, एनएफएल, आईसीएआर, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, टूरिज्म मंत्रालय, डीसी हैंडिक्राफ़्ट, आयुष मंत्रालय, आईसीएमआर, बीआईएस, एनटीपीसी, युपेडा, एलिम्को, टी बोर्ड,कृभको, जेम, सिपेट, सेंट्रल सिल्क बोर्ड, नीलिट, डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी ने इसमें भाग लिया।

इसके अंतर्गत 20 से 22 फरवरी को गाज़ियाबाद के कई स्कूल एवं कॉलेज के हजारों विद्यार्थी विभिन्न संस्थानों की प्रदर्शनी देख कर लाभान्वित हुए।इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से इसरो, डीआरडीओ, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी आयुष मंत्रालय आदि संस्थानों के द्वारा पिछले वर्षों में प्राप्त की गई उपलब्धियां से संबंधित प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया गया जिसमें उपरोक्त संस्थानों के वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे। विकसित भारत के अंतर्गत भारत विभिन्न क्षेत्रों में विगत वर्षों में जितनी प्रगति कर रहा है उन सभी का प्रदर्शन संस्थान के माध्यम से तीन दिन में किया गया। एग्जिबिशन के मौके पर एच आर आई टी यूनिवर्सिटी प्रो चांसलर अंजुल अग्रवाल, डीपीएस एचआरआईटी डायरेक्टर वैशाली अग्रवाल, वाइस चांसलर डी के शर्मा, क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल, कैप्टेन सिद्धू, जी एस त्यागी, एंकर रेशु त्यागी, प्रिंसिपल नंदिनी शेखर, डॉ अनिल त्यागी, डॉ आयु जैन, डॉ अजय कुमार मिश्रा, डॉ एम के जैन, डॉ नवनीत शर्मा, डॉ निर्दोष अग्रवाल, डॉ धर्मेंद्र कुमार, वरुण त्यागी, डॉ लल्लन त्रिपाठी, डॉ सी एन सिन्हा, डॉ अलका बंसल, राजकुमार तेवतिया, डॉ एकलव्य, डॉ आशीष कुमार, रजिस्ट्रार विनोद कुमार, जोगेश सक्सेना, अनिल सांवरिया, योगेश शर्मा, अभिजीत मुखर्जी, समिति कौशिक, ओ पी अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष राहुल तोमर, आयुष काकड़ा, अतुल जैन, रानीता सिंह, डॉ सपना बंसल, ऑर्गनाइजेशन के प्रेसिडेंट तरुण जैन, महक जैन एवं भारतीय खाद्य निगम सदस्य एवं पूर्व सांसद मीडिया सलाहकार राहुल गोयल उपस्थित रहे।

पीएमश्री विद्यालय केवल नाम से न हो बल्कि काम से भी पीएमश्री हों: सीडीओ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विकास भवन गाजियाबाद में जनपद के कुल चयनित 11 पीएमश्री विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और विषय शिक्षको के क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से एक दिवसीय जनपदीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग से चयनित विद्यालयों की एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ बेसिक शिक्षा अधिकारी गाजियाबाद ओम प्रकाश यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि पीएमश्री विद्यालय अपने ग्रीन स्कूल के रूप में, डिजिटल शिक्षा, आईसीटी लैब, लैंग्वेज लैब और इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में मॉडल विद्यालय बनेंगे। वह केवल नाम के ही पीएम नहीं होंगे। बल्कि काम से भी पीएमश्री होंगे। उन्होंने शिक्षकों का आवाहन किया कि वे इसे शिक्षकश्री स्कूल बनाएं। क्योंकि इन विद्यालयों के शिक्षक अन्य विद्यालयों से खास होंगे। कार्यशाला में छात्रों के कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा विकास, करके सीखने, गाइडेंस और काउंसलिंग, खान एकेडमी, बाल वाटिका, सामुदायिक सहभागिता,

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, ग्रीन स्कूल, बालिका शिक्षा और समावेशी शिक्षा आदि विषयों पर खंड शिक्षा अधिकारी जमुना प्रसाद, नोडल गाइडेंस एंड काउंसलिंग रजनी गौतम, एसआरजी देवांकुर भारद्वाज, विनीता त्यागी, पूनम शर्मा, डीसी दिनेश पाल, विश्वास गौतम और अजीत सिंह आदि वक्ताओं ने परियोजना प्रदत्त पीपीटी और विचारों को साझा किया। अंत में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल जी द्वारा सभी वक्ताओं को भेंट देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जीआईसी नंदग्राम के प्रधानाचार्य जयसिंह ,खंड शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार, कविता चौहान, महिमा दयाल, अभिषेक कुमार,डीसी रुचि त्यागी, अरविंद शर्मा व सभी पीएम श्री विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और शिक्षक उपस्थित रहे।

पीएमश्री नोडल खंड शिक्षा अधिकारी जमुना प्रसाद जी द्वारा मुख्य विकास अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, डीसी माध्यमिक, सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, एसआरजी, डीसी व शिक्षकों को धन्यवाद देने के साथ ही कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यशाला का कुशल संचालन एस आर जी पूनम शर्मा द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश का चहुंमुखी विकास वाला बजट : डॉ पी कुमार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। एसोचैम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ पी कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट सामाज के सातों सरोकारों को पूर्ण करता है। बजट में जहाँ पर पूरे प्रदेश मे स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा से शहरो मे उद्योगीकरण को बड़ावा मिलेगा एवम शहर को तकनिकी रूप से सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी। उद्योग कि प्रगति के लिए सरकार द्वारा बजट में जो विशेष पैकेज का ऐलान किया है उससे उद्योग मे अच्छी सडको का एक जाल फेल जाएगा जिसे उद्योग में माल लाने एवम लेजाने में सुविधा एवम उद्योग क्षेत्र में स्वच्छता एवम सफाई कि व्यवस्था बनी रहेगी। नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने से विधियार्थियों को नए डॉक्टर बनने मे सहयोग होगा एवम चिकित्सा क्षेत्र में मुलभुत क्रांति उत्पन होगी। गाजियाबाद में हरनन्दी पुरम विस्तार योजना को हरी झन्डी देने से गाजियाबाद जिले का चहोमुखि विकास होगा एवम इसके द्वारा रोजगार की उपलब्धता के साथ साथ लोगों का आवासीय समस्या भी दूर होगी। सरकार द्वारा पेश यह बजट प्रदेश के चहुंमुखी विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

अनुपयोगी वस्तुओं के इस्तेमाल से नगर निगम ने सजाया मेरठ रोड तिराहा

मेरठ रोड तिराहे पर म्यूजिकल स्क्वायर की लाइटिंग एवं सुंदरता दिल्ली, नोएडा तथा मेरठ के आगंतुकों का भी लुभा रही है मन: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम वेस्ट से बेस्ट मुहिम को बढ़ावा दे रहा है इसी क्रम में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा शहर में कई स्थानों पर पार्क समेत चौराहों पर भी अनउपयोगी वस्तुओं के इस्तेमाल से कलाकृतियां बनवाई गई हैं जो न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ा रहा है बल्कि कचरा निस्तारण में भी सहयोग कर रहा है इसी प्रकार गाजियाबाद नगर निगम द्वारा पुरानी वस्तुओं के रीसायकल करते हुए मेरठ रोड तिराहे पर सजावट के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बनाए गए हैं जो कि मेरठ दिल्ली, नोएडा के आगंतुकों का मन लुभा रहे है, नगर आयुक्त द्वारा अधिकारियों के साथ मेरठ तिराहे का निरीक्षण करते हुए म्यूजिकल स्क्वायर के रूप में शुभारंभ किया गया।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम रिड्यूस रीसाइकिल रीयूज की मुहिम को बढ़ावा दे रहा है जिससे शहर वासी जागरूक होकर घर के कचरे का इस्तेमाल करते हुए उपयोगी वस्तु बना रहे हैं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेरठ रोड तिराहे पर पुराने लोहे स्टील मेटल का उपयोग करते हुए रीसायकल किया गया तथा म्यूजिकल इक्विपमेंट बनाए गए जिसमें पुराने टायरों से कमल पुरानी पानी की टंकी से वीणा तथा अन्य पुरानी अन उपयोगी वस्तुओं का इस्तेमाल करते हुए तबला मोरपंखी बांसुरी का स्टैचू ढोलक सितार को बनाया गया है जो की बहुत ही अद्भुत लग रहा है शहर वासियों के साथ-साथ मेरठ तेरह से गुजरने वाले हर राहगीरी को वेस्ट से बेस्ट का संदेश दे रहा है जो की सराहनीय है शहर वासियों की प्रशंसा मेरठ रोड तिराहे के म्यूजिकल स्क्वायर को मिल रही है रंग बिरंगी लाइटों से रात्रि में मेरठ रोड तिराहा और भी अधिक लुभावना लग रहा है, गाजियाबाद नगर निगम की ट्रिपल आर मुहिम शहर को जागरूक करने के साथ-साथ जन-जन को मुहिम से जोड़ रही है।

सक्षम फाउंडेशन द्वारा भी निगम का सहयोग किया गया है निरीक्षण के दौरान मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र तथा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश उपस्थित रहे। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता के साथ-साथ सुंदरता पर भी कार्य किया जा रहा है जिस प्रकार नगर आयुक्त के नेतृत्व में मेरठ रोड तिराहे को भारतीय सांस्कृतिक वाद्य यंत्रों की बनी कलाकृतियां से सुसज्जित किया गया है इसी प्रकार गाजियाबाद के अन्य प्रमुख चौराहों पर भी इसी प्रकार की कलाकृतियां जो की अनुपयोगी वस्तुओं से बनी होगी सुसज्जित किया जाएगा।

महापौर सुनीता दयाल तथा पार्षदों का भी विशेष सहयोग गाजियाबाद नगर निगम को मिल रहा है जिनके माध्यम से हर घर को कचरा निस्तारण की कार्यवाही समझे जा रही है ट्रिपल आर मुहिम के लिए जागरूक किया जा रहा है जो की सराहनीय है।

उत्तर प्रदेश 2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा: सीएम योगी

विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन चर्चा के दौरान सीएम योगी ने दिए सवालों के जवाब

विधानसभा सत्र

- 2027 में भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनेगा इसमें कोई संदेह नहीं है: योगी
- यूपी की ग्रोथ रेट आज देश में सबसे बेहतर है, तेजी से हो रहा विकास: सीएम योगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार आई थी, तब राज्य की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 27.5 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार 2029 तक उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग भारत को विकसित राष्ट्र नहीं मानते, वे उत्तर प्रदेश की आर्थिक वृद्धि पर भी सवाल उठाते हैं, भारत आज दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है।

हो सकता है कि कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा हो क्योंकि जिनका अपना पर्सनल एजेंडा होता है, वह देश के विकास को अच्छा नहीं मानेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि देश की अर्थव्यवस्था आज विश्व में पांचवें स्थान पर पहुंच चुकी है और 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि वर्ष 2029 में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी भी बनेगा और देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनेगा। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के किसानों की हालत 2017 से पहले बेहद खराब थी, लेकिन आज किसान आत्महत्या नहीं कर रहा, बल्कि अपनी उपज का डेढ़ गुना मूल्य पा रहा है।

उन्होंने बताया कि धान की खेती में किसानों को प्रति क्विंटल 2300 रुपये मिल रहे हैं, जबकि लागत 1100 रुपये आती है। इसी तरह गेहूं पर भी सरकार किसानों को दोगुना मूल्य दे रही है।

गन्ना किसानों के भुगतान को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज किसानों को एक सप्ताह के भीतर भुगतान मिल रहा है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य बन चुका है और एथेनॉल उत्पादन में भी शीर्ष स्थान पर है।

सरकार ने दलहन और तिलहन के लिए भी विशेष योजनाएं शुरू की हैं, जिससे किसानों की आमदनी में वृद्धि हो रही है। मुझे यह कहते हुए की पहली बार उन किसानों को सम्मान मिला है राजनीति अपनी जगह है लेकिन प्रोक्योरमेंट सेंटर के माध्यम से सीधे डीबीटी के माध्यम से किस के खाते में पैसा जा रहा है सीधे उसको पैसा दिया जा रहा है और दलहन तिलहन के लिए भी अतिरिक्त आमदनी उसके साथ उसे किस के उसके माध्यम से हो सकती है अन्य तमाम उसमें भी सरकार ने उसमें दलहन और तिलहन के लिए फ्री में बी भी उपलब्ध करवाने का काम किया है तो क्या आपको लगता नहीं है कि यह डेढ़ गुना से ज्यादा दाम मिल रहा है और सरकार इसको आगे बढ़ने का भी काम करेगा।

उत्तर प्रदेश बनेगा देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को स्वावलंबन के दिशा में जो कार्य हुए हैं उसमें अकेले उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में 20% भार्ती अनिवार्य रूप से की गई है। हर एक सेक्टर में उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। सीएम योगी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आप लोगों लगता है कि यूपी 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य नहीं हासिल कर पाएगा तो यह आपकी दुर्भावना हो सकती है, लेकिन सरकार की सद्भावना है कि उत्तर प्रदेश 5 वर्ष में इस टारगेट को अचीव करेगा। संसाधनों से भरपूर उत्तर प्रदेश को प्रकृति और परमात्मा की कृपा से ओतप्रोत इस उत्तर प्रदेश को जिसको आप लोगों ने समाजवादी पार्टी की सरकार ने और विपक्षी दलों की सरकार ने देश के बीमारू राज्यों की श्रेणी में लाकर के खड़ा कर दिया था, यह देश की छठी-सातवीं अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा किया था, इन संसाधनों का हम भरपूर उपयोग कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश छठी-सातवीं अर्थव्यवस्था से उभरकर देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 2029 तक उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनकर देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

तेजी से बढ़ रही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों को चिह्नित किया है। इन क्षेत्रों में औद्योगिक विकास, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। प्रत्येक सेक्टर की मासिक समीक्षा की जाती है और मुख्यमंत्री स्वयं तिमाही समीक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश को जमीन पर उतारा जा चुका है। कई उद्योगों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। इस निवेश से 60 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। सीएम योगी ने कहा कि यह वही प्रदेश है जहां सीडी रेशियो 44 प्रतिशत था। आज यह 60 प्रतिशत क्रॉस कर चुका है। यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश का पैसा आज उत्तर प्रदेश में लग रहा है। यह रिजर्व बैंक की ही रिपोर्ट है कि पिछले पंच वर्षीय योजना के अंदर उत्तर प्रदेश देश का वो पहला राज्य है जिसने बैंको से सबसे अधिक लेन देन की है। जनधन अकाउंट उसके उदाहरण हैं। सीएम योगी ने कहा कि जिनका कभी बैंक में अकाउंट नही था आज उनके अकाउंट में लाखों रुपये उन बैंको में जमा है। आज उनके अकाउंट में लाखों करोड़ रूपया उन बैंकों में जमा है इस बात का उदाहरण है कि व्यक्ति की क्रय करने की सामर्थ भी और जमा करने की सामर्थ भी बड़ी है यह प्रधानमंत्री मोदी जी की विजन के कारण संभव हो पाया है।

उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित: योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे अधिक एमएसएमई इकाइयां संचालित करने वाला राज्य बन चुका है। पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण यह सेक्टर बदहाल हो गया था, लेकिन वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से इसे पुनर्जीवित किया गया। कोविड काल में वापस लौटे 40 लाख प्रवासी श्रमिकों की स्किल मैपिंग कर उन्हें एमएसएमई सेक्टर से जोड़ा गया, जिससे दो करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला। सीएम योगी ने बताया कि 24 जनवरी 2025 को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर ह्यसीएम युवा उद्यमी योजनाह्न शुरू की गई, जिसके तहत 5 लाख रुपये तक के बैंक ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा। योजना के पहले चरण में 5 लाख रुपये और दूसरे चरण में 10 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाएगा। अब तक 96 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

महाकुम्भ प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। 2023 में 65 करोड़ पर्यटक राज्य में आए और महाकुंभ में अकेले 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के इस पोटेंशियल को जिसको देश और दुनिया आज देख रही है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देगा।

त्रिवेणी के अमृत जल से स्नान कर पुण्य के भागीदार बने प्रदेश की जेलों में बंद कैदी

प्रयागराज की दोनों जेलों में 2400 से अधिक कैदियों ने किया त्रिवेणी जल से स्नान

स्नान

- पावन जल का पुण्य स्नान कर भाव विभोर हुए कैदी, जेल के अंदर गूंजा 'हर हर गंगे' का उद्घोष
- कैदियों की धार्मिक भावनाओं के सम्मान के लिए योगी सरकार की बड़ी पहल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए संगम आने वालों का आंकड़ा 59 करोड़ पहुंच गया है। इस अमृत काल में पुण्य की डुबकी से कोई छूट न जाए, सभी की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए योगी सरकार ने प्रदेश की जेल में बंद कैदियों के लिए भी बड़ी पहल की है। प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल और जिला जेल के हजारों कैदियों को भी इसका अवसर मिला। यह पावन अवसर पाकर कैदी भाव विभोर हो गए। प्रदेश की सभी 62 जेलों के कैदियों ने त्रिवेणी के पुण्य जल से स्नान किया

प्रयागराज महाकुम्भ में पुण्य की डुबकी लगाने को उमड़ रहे आस्था के जन सैलाब ने अब तक के सभी पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। प्रशासन द्वारा आज जारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक महाकुम्भ में करीब 59 करोड़ लोग संगम में पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं। योगी सरकार ने प्रदेश में जेल में बंद कैदियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए अब उन्हें भी इस पुण्य के भागीदारी बनने का अवसर दिया है। प्रदेश की सभी 62 जेलों के कैदियों ने त्रिवेणी के पुण्य जल से स्नान किया है। इसके लिए जेल के अंदर ही बड़े-बड़े हौज बनाए गए, जिसमें त्रिवेणी से लाया गया पवित्र जल मिलाया गया। इसी जल से स्नान कर जेल में बंद कैदी भी पुण्य के भागीदारी बने हैं। प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल में भी इसके लिए भव्य व्यवस्था की गई।

महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान की तैयारी में जुटी योगी सरकार

शिवरात्रि पर्व

- प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुम्भ नगर पहुंचकर परखी व्यवस्था, दिये निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। योगी सरकार आगामी 26 फरवरी को होने जा रहे महाशिवरात्रि के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान की तैयारियों में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुम्भ नगर पहुंचकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि हम बेहतर यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन अंतिम स्नान के साथ ही सप्ताहांत यानी शनिवार रविवार के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। हम लगातार प्रयास कर रहे हैं कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो। सोशल मीडिया पर महाकुम्भ को लेकर माहौल बिगाड़ने के कुत्सित प्रयास में लगे तत्वों पर भी योगी सरकार कड़ी नजर रख रही है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि हम लगातार इस पर नजर रख रहे हैं और हमने एफआईआर भी दर्ज की हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि अबतक पचास से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने नाव से संगम घाटों का निरीक्षण किया और साफ-सफाई की व्यवस्था को परखने के साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

केंद्र सरकार की आठ योजनाओं का लाभ देने में योगी सरकार का कोई सानी नहीं

योगी सरकार ने आठ योजनाओं का लाभ देने में पूरे देश में प्राप्त किया पहला स्थान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने एक बार फिर केंद्र सरकार की आठ योजनाओं को जमीन पर उतारने और अधिक से अधिक लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने में बड़ी सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन को योगी सरकार ने जमीन पर उतारकर यह साबित कर दिया है कि सही नीतियों और मजबूत इच्छाशक्ति से बदलाव संभव है। उत्तर प्रदेश आज केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू करने में पूरे देश के लिए एक उदाहरण बन गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट भाषण में बताया कि उत्तर प्रदेश ने केंद्र सरकार की आठ प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरे देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इन योजनाओं में प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन शामिल हैं। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 9 करोड़ 57 लाख से बैंक खाते खोले गए हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। इस योजना ने गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा और उनके वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित किया। इस योजना का ही असर है कि आज गरीबों के क्रय-विक्रय और जमा करने की क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। यूपी ने प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना के तहत 1 करोड़ 12 लाख से अधिक लोगों को जोड़ा है। यह योजना वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई थी, जिससे असंगठित क्षेत्र के कामगारों को बड़ा लाभ पहुंचा है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 8 करोड़ 80 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं। सुरक्षा बीमा योजना मात्र 12 रुपये प्रति वर्ष और जीवन ज्योति बीमा योजना मात्र 330 रुपये प्रति वर्ष में बीमा सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे गरीब और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत मिली है।

योजनाएं

- प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, जन धन योजना में मारी बाजी
- सीएम योगी ने पीएम मोदी के सबका साथ, सबका विकास के विजन को बखूबी धरातल पर उतारा

महाकुम्भ: 14 हजार मीट्रिक टन सॉलिड वेस्ट हुआ निस्तारित

महाकुम्भ में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट बना रोल मॉडल, वर्ष 2019 में आयोजित कुम्भ में 9 हजार मीट्रिक टन सॉलिड वेस्ट हुआ था प्रबंधित

महाकुंभ

- इस बार 25 हजार से ज्यादा डस्टबिन, 120 से ज्यादा टिप्पर्स व कॉम्पैक्टर्स के जरिए सॉलिड वेस्ट को प्रतिदिन के आधार पर प्रबंधित करने की प्रक्रिया की जा रही पूरी
- स्वच्छता प्रमुख ने दी जानकारी, सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर स्वच्छ महाकुम्भ को सफल बनाने में मेला प्रशासन कृत संकल्पित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में स्वच्छता के नए प्रतिमान स्थापित कर रही योगी सरकार के कुशल प्रबंधन में अब तक 14 हजार मीट्रिक टन सॉलिड वेस्ट को सकुशल निस्तारित किया जा चुका है। सीएम योगी के स्वच्छ महाकुम्भ के विजन को धरातल पर उतारते हुए मेला प्रशासन स्वच्छता प्रबंधन में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। महाकुम्भ मेला क्षेत्र की स्वच्छता प्रमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि जब से मेला प्रारंभ हुआ है तबसे लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण निवासरत हैं, जबकि प्रतिदिन करोड़ों की संख्या में देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा रहे हैं। ऐसे में, स्वच्छता के उच्च प्रतिमानों को स्थापित करते हुए प्रतिदिन के आधार पर इसे पूरा करने पर मेला प्रशासन का फोकस है।

आंकड़ों के अनुसार, अभी तक 14 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा वेस्ट को इकट्ठा कर बसवार ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जा चुका है। 2019 से इसकी तुलना करें, तो यह 9 मीट्रिक टन था। जबकि, इस बार महाकुम्भ में कुल मिलाकर 20 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा सॉलिड वेस्ट जेनरेशन का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि अत्याधुनिक आईसीटी-आधारित निगरानी प्रणाली को रीयल टाइम ट्रैकिंग के आधार पर मोबाइल बेस्ड एप द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसमें सभी सार्वजनिक शौचालयों को क्यूआर कोड को स्कैन कर रखरखाव को सुनिश्चित किया जा रहा है।

वहीं, स्वच्छाग्रहियों (स्वच्छता स्वयंसेवकों) ने इस ऐप के जरिए क्यूआर कोड स्कैन कर फीडबैक अपलोड किए जिसे कंट्रोलरूम द्वारा मॉनिटर कर समाधान उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्लास्टिक मुक्त महाकुम्भ को सफल बनाने के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने 5 करोड़ रुपये मूल्य की पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं (दोना पत्तल, कुल्हड़, जूट के थैले, कागज के गिलास) अखाड़ों, संस्थाओं और भंडारों में वितरित की हैं। वहीं, बैनर और होर्डिंग्स के लिए प्लास्टिक मुक्त ब्रांडिंग शुरू की गई तथा बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को प्रोत्साहित करने के लिए सख्त कदम उठाए गए।

मॉडिफाइड एड्वांस्ड ऑक्सिडेशन तकनीक के जरिए मेंटेन की जा रही हाइजीन

मेला क्षेत्र में हाइजीन को मेंटेन करने और साफ-सफाई को सुनिश्चित करने के लिए मॉडिफाइड एडवांस ऑक्सिडेशन तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है जो गंधरहित प्रबंधन प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, क्लीनिंग एजेंट्स का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इस क्रम में, 39 हजार किग्रा मैलेथियन डस्ट, 70 हजार लीटर फिनायल कॉन्सन्ट्रेट, 1600 किग्रा से अधिक नेप्थलीन बॉल्स, 3.5 लाख किग्रा ब्लीचिंग पाउडर, 70.8 हजार लीटर से ज्यादा एसिड, हार्पिक तथा गंध नियंत्रण के लिए 95.85 लीटर सॉल्यूशन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सैनिटेशन प्लान से हो रहा कूड़े का प्रबंधन

स्वच्छता प्रमुख (विशेष कार्याधिकारी) अकांक्षा राणा के अनुसार, यहां जितने भी लोग स्नान करते हैं उनकी धारणा है कि स्नान करने के बाद कपड़ों को घाट पर ही छोड़कर नए वस्त्र धारण करके जाते हैं। इसके साथ ही साथ यहां पर बड़े स्तर पर भंडारे चलते हैं, फूड जोन हैं और लोग पैदल चलते हैं तो कचरा काफी रहता है। ऐसे में, इस कचरे का निस्तारण रोजमर्रा की एक बड़ी चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इस कार्य को पूरा करने के लिए मेला जब प्रारंभ हुआ था उसी समय एक सैनिटेशन प्लान बनाया था उसमें सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के परिदृश्य को देखते हुए कुछ बिंदू रखे थे।

यूपी की 57 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं बनेंगी 'सूर्य सखी'

यूपी में हर पंचायत में होगी एक 'सूर्य सखी', 826 ब्लॉकों में खुलेंगी 3,304 सोलर शॉप्स

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश में बीसी सखी और विद्युत सखी की सफलता के बाद महिला सशक्तीकरण की दिशा में नई कवायद शुरू की है। योगी सरकार प्रदेश के सभी 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में एक-एक सूर्य सखी की तैनाती करेगी। इसके लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के तहत लाखों महिलाओं द्वारा स्थापित उद्यमों को अब डिस्ट्रिब्यूटेड रिन्यूएबल एनर्जी (ऊर्जा) उत्पादों से जोड़ा जाएगा। पहले चरण में 10,000 उद्यमों को सोलर आधारित तकनीकों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे महिलाओं को सतत रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि वर्तमान में समूह की महिलाओं द्वारा लाखों की संख्या में उद्यम स्थापित किए गए हैं। इन सभी महिलाओं द्वारा स्थापित उद्यमों को डीआरई प्रोडक्ट जैसे सोलर आटा चक्की, सोलर वाटर पम्प, सोलर ड्रायर, सोलर ड्री फ्रीजर, सोलर कोल्ड स्टोरेज, सोलर फूड प्रोसिंग मशीन, बायो फोलोक में सोलर सिस्टम, मिल्क चिल्लर को डीआरई प्रोडक्ट के माध्यम से जोड़ने की पहल शुरू की जाएगी। प्रथम चरण में 10 हजार उद्यमों को डीआरई प्रोडक्ट से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि यूपीएसआरएलएम के तहत 'प्रेरणा ओजस' नामक कंपनी का गठन किया गया है, जो सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को सहयोग देगी।

कवायद

- सौर ऊर्जा से बदलेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, यूपी बनेगा 'ग्रीन एनर्जी हब'
- 10,000 सोलर उद्यमों से ग्रामीण महिलाओं को मिलेगा स्थायी रोजगार

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

यमुना सफाई एक बहुप्रचारित मुद्दा

दिल्ली में गुरुवार को मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के शपथ लेने के बाद यह साफ हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी एक स्पष्ट संदेश के साथ काम करना चाहती है। इस बात पर राजनीतिक गलियारों में जरूर सुगबुगाहट रही कि दिल्ली विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद मुख्यमंत्री पद पर चुने गए व्यक्ति की घोषणा करने में ग्यारह दिन क्यों लग गए। सतह पर इस पद के लिए खींचतान की चर्चा रही, मगर ऐसा लगता है कि रेखा गुप्ता की अब तक की राजनीतिक भूमिका को देखते हुए उनके नाम पर सहमति बनाने में पार्टी को ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी। जो हो, अब मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही रेखा गुप्ता के सामने जितनी बड़ी चुनौती इस जिम्मेदारी के निर्वहन की है, उसी के समांतर जनता की नजर उन वादों को पूरा किए जाने पर भी रहेगी, जो चुनावों के दौरान भाजपा की ओर से किए गए थे। गौरतलब है कि दिल्ली चुनावों के दौरान यमुना का पानी और उसकी सफाई एक बहुप्रचारित मुद्दा बनी थी। आरोप-प्रत्यारोप के बीच हकीकत यह है कि यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने और उसकी सफाई के मसले पर दशकों से राजनीति होती रही है। अमूमन हर पार्टी ने सत्ता मिलने पर यमुना को स्वच्छ बनाने के बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन आज भी यह नदी बेहद दयनीय हालत में है और जिसका पानी नहाने लायक भी नहीं है। यह देखने की जरूरत होगी कि दिल्ली की नई सरकार यमुना को एक स्वच्छ नदी के रूप में जीवन देने के लिए कितनी ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम कर पाती है। इसके अलावा, पूर्व सरकार की ओर से जनता के लिए चलाए गए कल्याणकारी कार्यक्रम, स्कूली शिक्षा, भ्रष्टाचार पर रोक, आबकारी नीति, दिल्ली में भयावह स्तर तक के प्रदूषण और बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने जैसी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं, जिन पर विपक्ष के रूप में कभी भाजपा सवाल उठाती थी और अब आम आदमी पार्टी अपनी मजबूत भूमिका में हमेशा तैयार दिखेगी। मसलन, दिल्ली की महिलाओं को ढाई हजार रुपए देने की घोषणा के समांतर इस मसले पर संदेह भी जताए जाने लगे हैं। यों मुफ्त की योजनाओं पर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं, मगर दिल्ली में बिजली-पानी आदि सेवाओं के अलावा बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा, आयुष्मान भारत की सुविधा जैसी कई योजनाओं के अलावा उपराज्यपाल के साथ तालमेल के मामले में नई सरकार की नीतियों पर सबकी नजर रहेगी। हालांकि यह चौथी बार है, जब दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की कमान एक महिला को मिली है, लेकिन भाजपा ने इस बार खासी सीटें जीतने के बाद और इस पद के लिए कई दावेदारियों और जद्दोजहद की खबरों के बीच जिस तरह रेखा गुप्ता को यह जिम्मेदारी सौंपी है, यह अपने आप में एक अहम फैसला है। अब सत्ता संभालने के बाद भाजपा और नवनियुक्त मुख्यमंत्री के सामने एक बड़ी चुनौती यह भी होगी कि आम आदमी पार्टी के शासन को उन्होंने जिन सवालों पर कठघरे में खड़ा किया था, जनता से जो वादे किए थे, उनको पूरा करने के प्रति वे कितनी मजबूत इच्छाशक्ति के साथ काम कर पाती हैं। कई बार चुनावी जीत हासिल करने के लिए प्रचार के दौरान लोकलुभावन घोषणाएं तो कर दी जाती हैं, मगर सत्ता मिलने के बाद उन्हें पूरा करने को लेकर कोई खास रुचि नहीं दिखाई जाती है। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि दिल्ली में शासन की कार्यकारी शक्तियों की सीमा में नई मुख्यमंत्री यहां वैसी किन नीतियों पर चलती हैं, जो उन्हें पिछली सरकार के मुकाबले अलग ठहराए।

यूट्यूब पर लगाम लगाने का वक्त अब आ गया

डॉ आनन्द शर्मा

हाल फिलहाल में इंडिया गॉट टैलेंट के एक शो में समय रैना, रणवीर अल्लाहबादिया और उनके अन्य साथियों द्वारा की गई कुछ अभद्र टिप्पणियों से पूरे देश में बड़े गुस्से का माहौल है। बड़े-बड़े सेलिब्रिटी ने इस शो का बायकाट कर दिया है और देश में अनेकों जगह इन सभी के खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज कर ली गई है, लेकिन इस देश में यह कोई पहली बार नहीं हुआ है यहां अपने आप को तथाकथित मॉडर्न और अन्य से अलग दिखने की होड़ में जिस तरह से अश्लीलता और भद्दापन परोसने की पराकाष्ठा हुई है उसका शायद ही कोई तोड़ या उदाहरण पूरे विश्व में मिले। कितना गिरेंगे और कहां जाकर रुकेंगे इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। हर देश के अपने मानक, संस्कृति सभ्यताएं और मूल्य होते हैं ।भारत कभी भी ऐसे विचारों का देश नहीं है ।सस्ता इंटरनेट और हर हाथ में एंड्रॉयड मोबाइल ने इस देश के अंदर धीरे-धीरे टीवी को महत्व को काम करके अब सारा फोकस यूट्यूब रील्स और इन सस्ते पॉडकास्ट पर कर दिया है। लाखों हजारों करोड़ों की कमाई करने वाली यूट्यूबर लाखों फॉलोअर्स की भीड़ अपने चैनल पर रखते हैं और सस्ती लोकप्रियता के चक्कर में यह क्या कर रहे हैं कैसे कर रहे हैं इसका इन्हें जरा भी अंदाजा नहीं है। हमारे देश में अश्लीलता को जिस तरह से परोसा जा रहा है उसके लिए यदि जल्दी ही कोई सख्त कदम नहीं उठाए गए तो सबसे युवा देश के पतन होने से कोई नहीं रोक सकता। चिंता का विषय है कि जिस देश के सरकारी दफ्तर टॉयलेट पुल और सडके पान की पीकों से रंगी पड़ी है वहाँ के नायक महानायक गुटका पान तंबाकू बेच रहे है। जिस देश के प्रतिष्ठित अखबार वैलेंटाइन डे के दिन अपने फ्रंट पेज पर कंडोम का ऐड कर रही है उनकी मानसिकता को क्या ही कहा जाए। कॉफी विद करण, बिग बॉस और न जाने ऐसे कितने शो है जिनमें अनेक बार फूहडता और डबल मीनिंग बातें की जाती हैं लेकिन हमें गुस्सा नहीं आता। भारत सबसे अधिक पोर्न देखने वाला और इन वेबसाइटों को सर्च करने वाला देश है, आखिर बाहर से इतने शालीन दिखने वाले हम लोग कितनी गंदी मानसिकता के भरे हुए हैं। इन तथ्यों से समझ आता है हमने पश्चिम से आधुनिकता के नाम पर उनकी गंदी आदतें तो ग्रहण की लेकिन उनकी अच्छी आदतों को हमने कभी नहीं समझा। फिल्मों के एक एक सीन और डायलॉग को सेंसर बोर्ड द्वारा जाँचा जाता है, जल्द ही सरकार को कदम उठाना चाहिए कि इन यूट्यूब चैनल और घटिया कंटेंट को किस तरह से रोका जाए इस पर सख्ती से प्रयास हो। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चलने वाली फिल्मों में जिस तरह से मार काट, खून खराबा और गाली गलौज को परोसा जा रहा है वह इस देश के भविष्य के लिए खतरे का संकेत है। मनोरंजन के नाम पर और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कुछ भी उगल देने की मनोवृत्ति और प्रवृत्ति से बचने का समय आ गया है और इसकी शुरूआत जनता को स्वयं से करनी पड़ेगी इस तरह के विज्ञापनों इस तरह के शो और एपिसोड का हमें पूरी तरह से बायकाट करना ही होगा। बड़े खुले तौर पर भारत में कंडोम के ऐड, कामउत्तेजित दवाइयों के विज्ञापन, परफ्यूम,शेविंग क्रीम, टूथपेस्ट, अंडरगारमेंट्स न जाने ऐसे कितने ही विज्ञापनों में लड़कियों को मात्र अश्लीलता के तौर पर भरोसा जा रहा है। जिम्मेदार पदों पर बैठे हुए लोगों का दायित्व है कि इनसे संबंधित व्यक्तियों को एक मंच पर बिठाकर इन्हें इनकी जिम्मेदारियों का एक बार एहसास कराया जाए और सख्त कानून बनाए जाएं ताकि इस तरह की बेहूदगियां समाज को भ्रमित ना करें। अन्यथा इस देश के पतन को कोई रोक नहीं सकता। बाहर से किसी दुश्मन की जरूरत नहीं है हम खुद ही पतन के रास्ते पर अग्रसर हो जाएंगे और यह हमें समझना पड़ेगा कि अभिव्यक्ति और मनमर्जी में अंतर होता है।

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री: चुनौतियों का सफर

प्रधानमंत्री मोदी अपनी अलग कार्य शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने रेखा गुप्ता को दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाने के अपने निर्णय को भी अंतिम क्षणों तक गोपनीय रखा। मीडिया के लोग कई लोगों के नामों को लेकर अनुमान लगाते रहे, परंतु हर बार की भांति इस बार भी प्रधानमंत्री ने अपने निर्णय की गोपनीयता को अंतिम क्षणों तक रहस्यमय बनाए रखा और हमने देखा कि दिल्ली की शालीमार गार्डन सीट से पहली बार विधायक बनकर आईं रेखा गुप्ता को उन्होंने दिल्ली का मुख्यमंत्री बनवा दिया।

निश्चित रूप से रेखा गुप्ता के इस चयन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, परंतु स्पष्ट रूप से पार्टी और देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं, इसलिए यही कहा जाएगा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए रेखा गुप्ता को यह दायित्व दिया। प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा सहित कई प्रदेशों में ऐसे चेहरों को आगे ला चुके हैं, उनका वह परीक्षण सफल ही रहा है। इसके पीछे चाहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हो या प्रधानमंत्री मोदी या उनके अन्य वरिष्ठ परामर्शदाता हों, सभी का उद्देश्य एक ही रहता है कि नया 'बेदाग चेहरा' लोगों को रास आएगा और वह मिले हुए अवसर के दृष्टिगत अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करेगा।

जब 'दागदार चेहरों' को बड़ी जिम्मेदारियां दी जाती हैं तो वे उन्हें पूर्ण निष्ठा के साथ निभा नहीं पाते हैं या फिर अपनी परंपरागत कार्य शैली का परिचय देते हुए भ्रष्टाचार जैसे कार्यों में लग जाते हैं। जिसकी क्षति पार्टी को उठानी पड़ती है और अंत में राष्ट्र को भी ऐसे चेहरों से हानि ही मिलती है। इस प्रकार के नए बेदाग चेहरों को आगे लाने से पार्टी और देश दोनों को दूर तक और देर तक लाभ मिलना स्वाभाविक है। बस अपनी इसी दूरगामी सोच के चलते भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वर्तमान नेतृत्व ऐसे चेहरों को सामने लाता रहता है। पार्टी ने रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर नारी सशक्तिकरण के प्रति अपनी निष्ठा को व्यक्त किया है। वैसे भी इस समय देश में केवल एक ही महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल का नेतृत्व कर रही हैं। जब बार-बार नारी सशक्तिकरण की बात की जा रही हो, तब भाजपा ने एक महिला को मुख्यमंत्री बनाकर इस चर्चा को मानो एक नई ऊंचाई दी है। दूसरी बात यह है कि दिल्ली में जिस प्रकार केजरीवाल ने पिछले 11 वर्ष में 'रेवड़ी बांटने' की परंपरा के आधार पर शासन किया है, उसके चलते बहुत से विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। दिल्ली के अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें पानी की पाइपलाइन कई स्थानों पर गल गई है। जिससे लोगों को मलमूत्र मिले पानी को पीने के लिए अभिशप्त होना पड़ गया है।

कई क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें लोगों को दूध मिलना संभव है, परंतु सही पानी मिलना उनके लिए कठिन हो गया है। बिजली के खंभों या लाइन की व्यवस्था भी कई क्षेत्रों में बहुत खराब हो चुकी है। स्वास्थ्य सेवाओं और यातायात को लेकर भी यही कहा जा सकता है। ऐसे में पानी और बिजली की नई लाइन बिछाना और लोगों के स्वास्थ्य व सुविधा के दृष्टिगत उन्हें स्वच्छ पानी और बिजली उपलब्ध कराना दिल्ली की मुख्यमंत्री के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए यदि वह ऐसा करती हैं तो नौटंकी बाज केजरीवाल को लोग भूल जाएंगे। कोई भी घिसापिटा चेहरा इस काम को करने में लापरवाही बरत सकता था।

इसलिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक नए ऊर्जावान चेहरे को दिल्ली की बागडोर सौंपी है तो इसके पीछे उद्देश्य यह है कि काम ऐसा किया जाए, जिससे लोग केजरीवाल को भूल जाएं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केजरीवाल अपनी नौटंकियों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने चाहे कितने ही शालीन भाव से दिल्ली के मतदाताओं के जनादेश को स्वीकार किया हो, परंतु इसके पीछे भी उनकी विनम्र नौटंकी ही है।

उनसे पूरी उम्मीद की जा सकती है कि वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चलाने में हर प्रकार का रोड़ा अटकाने का प्रयास करेंगे। लोगों को भ्रमित करेंगे और अपनी नौटंकीवादी राजनीति को सड़कों व चौराहों पर दिखाने का हर संभव प्रयास करेंगे। ऐसे में एक गंभीर नेतृत्व को आगे लाना भारतीय जनता पार्टी के लिए अनिवार्य था। रेखा गुप्ता के भीतर ऐसे ही एक गंभीर व्यक्तित्व को देखा गया है, जो प्रत्येक प्रकार की नौटंकी का सामना करते हुए धैर्य के साथ दिल्ली की जनता की सेवा कर सके। स्पष्ट है कि भाजपा ने सत्ता का स्वाद लेने के लिए रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री का दायित्व नहीं दिया है, बल्कि पार्टी को निरंतर सत्ता में बनाए रखकर राष्ट्र सेवा करते रहने के लिए उन्हें यह दायित्व दिया गया है। भाजपा की इस प्रकार की रणनीति को केजरीवाल और राहुल गांधी भली प्रकार जानते हैं।

भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री के चेहरे को ढूंढने में लगे 10-12 दिन के समय को लेकर इन दोनों पार्टियों को इसी बात की चिंता हो रही थी कि भाजपा उन्हें देर तक सत्ता से दूर रखने के लिए मुख्यमंत्री बनाने में जिस प्रकार विलंब कर रही है, वह उनके लिए ही हानिकारक होगा। इस बार के विधानसभा चुनाव में यमुना की सफाई को भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनाया गया। हमारा मानना है कि यमुना की सफाई को एक मुद्दा बनाया भी जाना चाहिए था। जिस प्रकार दिल्ली के अनेक गंदे नाले इस नदी को मृत नदी के रूप में परिवर्तित करते जा रहे हैं, वह न केवल दिल्ली के लिए बल्कि पूरे देश के लिए चिंता का विषय है। इसके लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को विशेष परिश्रम करना होगा।

हमारा मानना है कि दिल्ली के गंदे नालों के पानी को सीमेंट या लोहे के बड़े-बड़े पाइपों के भीतर डालकर नदी के भीतर इन पाइपों की एक समानांतर लाइन बिछाकर उस पानी को हरियाणा या उत्तर प्रदेश की ओर दूर ले जाया जाए। वहां उसे पीने योग्य या कृषि भूमि को सींचने योग्य बनाकर दोबारा ठीक किया जाए। इसके लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकारों की एक संयुक्त टीम गठित की जाए अथवा एक प्राधिकरण बनाया जाए। इस प्रकार दिल्ली के गंदे नालों का एक बूंद पानी भी यमुना नदी में नहीं गिर पाएगा, जिससे नदी को स्वच्छ रखने में सहायता मिलेगी।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी,एक विशेष समाधि अवस्था में,शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर,भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

(ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात्देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

भाग 7

गतांक से आगे .....

महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज ने कहा-हे ब्रह्मचारी! राष्ट्रवाद और वनचर,यह दोनो एक ही तुल्य है, क्योंकि राष्ट्रवादी भी यह चाहता है कि मेरे राष्ट्र में अनुशासन हो जाये और वनों में रहने वाला ऋषि-मुनि भी यही चाहता हैं कि साम्राज्य पवित्र हो जायें,दोनो का मन्तव्य एक ही रहता है, कि वह अपने मानवीय जीवन पर,मानवीय इन्द्रियों पर जय चाहता है। ब्रह्माण्ड रूपी जो राष्ट्र हैं,इसमें मैं अपना अनुशासन तभी कर सकता हूँ, जब मेरी प्रत्येक इन्द्रियां अनुशासित हो जाएं। और राजा भी यह चाहता हैं कि मेंरा राष्ट्र पवित्र बनें,यदि वह अपने पर अनुशासन करने लगता है और चाहता कि मेरा इन्द्रियों पर अनुशासन हो और इस प्रजा को कुछ दे संकू, प्रजा को शान्ति की धारा प्रदान का सकूं। दोनों का मन्तव्य एक है और तब इन दोनों का एकोकीकरण हो जाता है।

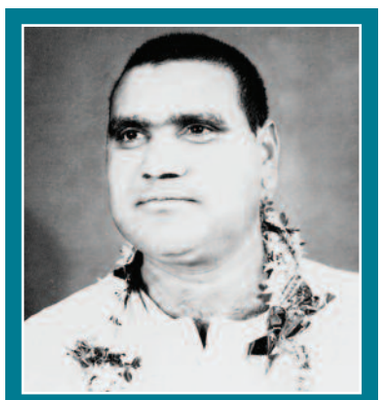

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

वशिष्ठ मुनि ने जब ऐसा कहा तो बाल्य ने कहा कि-प्रभु! क्या इसका कोई प्रमाण है? उन्होंने कहा-अनुशासन तो अपने में स्वतः ही प्रमाण कहा जाता है। ब्रह्मचारी कहते ही उसे है,जो अनुशासन में रहता है। ब्रह्मचारी मृत्यु से पार हो जाता है, वह मृत्युंजय बन जाता है। ब्रह्मचारी और आचार्य दोनों का एक ही मन्तव्य रहता है। आचार्य चाहता कि मेरा ब्रह्मचारी संसार में ऊर्ध्वा को प्राप्त होता रहे। आचार्य और ब्रह्मचारी दोनों एक दूसरे में पूरक कहलाते है। आचार्य और ब्रह्मचारी दोनों एक स्थली में विद्यमान है,एक का स्थान ऊर्ध्वा में है और एक का ध्रुवा में,चरणों मंह है,क्योंकि ध्रुवा वाले को ऊर्ध्वा में जाना है,इसीलिए ब्रह्मचारी आचार्य के चरणों में विद्यमान होता है। जब आचार्य शिक्षा देना प्रारम्भ करता है तो वह कहता है कि तुम अनुशासित रहो।

राम के शिक्षण काल में विष्णु चर्चा

एक समय शोभनी और भगवान राम को प्रातः कालीन एक वेद-मन्त्र का अध्ययन कराया, वेद-मन्त्र था-विष्णु व्रतं देवं ब्रह्माः विष्णु रेवकृतं ब्रह्माः वाचः सर्वं व्रह्म अन्तरिक्षं लोकां वाचों समिवा, इस वेद मन्त्र का उन्होंने उच्चारण किया और कहा किझजाओ,इसका अध्ययन करो,इसको कंठस्थ करो और कंठस्थ करके इसके भावार्थ रूप को जानने का प्रयास करो। शोभनी ब्रह्मचारी और भगवान राम दोनों एक स्थली पर विद्यमान होकर इसका अध्ययन करने लगें,कही विष्णु का अर्थ ध्रुवा था,कहीं आत्मावासी कहा जा रहा था,कही वह विष्णु राष्ट्रीयता में राजा बन रहा था,कही ऊर्ध्वा में जाने वाले लोक-लोकान्तरों में विष्णु की विवेचना हो रही थी,कहीं ध्रुवा में विष्णु की विवेचना आ रही थीं। वह विचार-विनिमय करते रहे,दिवस-समय समाप्त हो गया,परन्तु वह अपने में निपटारा नही कर सके,तो मध्यरात्रि में दोनो ब्रह्मचारी आचार्य के चरणों में विद्यमान हो गये। ऋषिवर निद्रा में तल्लीन थे। दोनों उसी वेदमन्त्र के ऊपर चिन्तन-मनन करते रहे।

विष्णु स्वरूप

कुछ समय के पश्चात महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज जागरूक हो गये। महर्षि वशिष्ठ मनि ने कहा कि -हे ब्रह्मचारियों! मध्य रात्रि में तुम्हारा मेरे कक्ष में आने का मन्तव्य क्या है?उन्होंने कहा कि -प्रभु! हम इसलिए आये है कि यह जो आपने हमें वेद मन्त्र वर्णन कराया है इसके पठन-पाठन की शैली भी बड़ी विचित्र है। हम इसके अंतिम छोर पर नही पंहुच सके है,क्योंकि यह वेद मन्त्र राजा का वाची विष्णु उच्चारण कर रहा है,कही पालन करने वाला ही यह विष्णु कहलाता है, कहीं विष्णु सूर्य को कहा जा रहा है,कहीं आत्मा का वाची विष्णु कहलाता है। हमें प्रभु! कहीं राष्ट्रवाद ही विष्णु है,कहीं यज्ञोमयी विष्णु हैं,कही यही विष्णु हमें विज्ञान मे ले जाता है। इसके ऊर्ध्वा स्वरूप को हम अच्छी प्रकार नही जान पाये हैं। इसका हमें वर्णन कराईये।

महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज ने राम और शोभनी ब्रह्मचारी से यह वाक्य श्रवण करके कहा कि-यह विष्णु शब्द जब अनुशासन का वाची बनता है,तो इस शरीर में विद्यमान होने वाली जो एक चेतना है,एक आत्मा है,यह आत्मा ही विष्णु कहलाता है यह आत्मा विष्णु के रूप मे विद्यमान है। विष्णु नाम आत्मा का इसलिए वाची हैं,क्योंकि वेदों का अध्ययन करता हुआ,यह मानव विष्णु रूप को जान लेता है। वेद में एक और मन्त्र आता है विष्णु ब्रह्मवचाः ब्रह्मं वर्चं ब्रह्मे कमल कृत्यं ब्रहि अतं लोकाम्कि यह आत्मा अनुशासन में होता हुआ,वेद का अध्ययन करते हुए ब्रह्म की उपाधि को प्राप्त कर लेता है। जब याग होते है,तो वेद का पठन-पाठन करने वाले को ब्रह्मा की उपाधि प्रदान की जाती हैं । वह वेद के मर्म को जानने वाला ब्रह्मवर्चोसि कहलाता है। क्रमशः....

समाज की अंतःचेतना जागृति के अग्रदूत स्वामी दयानन्द सरस्वती

दयानन्द सरस्वती का एक बहुत ही प्रशंसनीय कार्य था-आर्य समाज की स्थापना। समय के साथ चलते हुए और शिक्षा के क्षेत्र में काम करके राष्ट्रीयता की प्रबल भावना का प्रसार करते हुए आर्य समाज आधुनिक भारत में एक बहुत बड़ी जीवंत शक्ति बन गया है। स्वामी दयानन्द ने भारत की तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों की समस्याओं का जो समाधान प्रस्तुत किया, उससे उन्होंने आधुनिक चिंतन की आधारशिला रखी।

अपने अनूठे कार्यों के लिए स्वामी दयानंद सरस्वती युवा पीढ़ी में हमेशा याद किये जाते रहेंगे। मानव कल्याण के लिये सर्वस्व त्याग देने वाली महान विभूति जिनका नाम स्वामी दयानन्द सरस्वती है निश्चय ही भारतीय पुनर्जागरण काल के महान व्यक्तित्व थे। इस महान आत्मा ने अपने जीवनकाल में करोड़ों भारतवासियों के मन से अज्ञानता का अंधेरा हटाने और पुरोहितों व पण्डितों द्वारा अंधविश्वास एवं अनेकानेक आडम्बरों की मैली चादर को हटाने का एक महान कार्य किया। आज भी उनके द्वारा किये गये कार्यों को आर्य समाज के जरिये जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है और यह कार्य निरन्तर जारी है।

स्वामी दयानन्द ने अपने जीवन में वैसे तो बहुत से कार्य जन-कल्याण के लिये किये लेकिन उनका जो मुख्य कार्य था वह भारतवासियों की राजनीतिक पराधीनता को समाप्त करना एवं जो राष्ट्रविरोधी ताकतें हमारे भारतवर्ष पर अपना शिकंजा कसती जा रही थीं, उनसे देश वासियों को मुक्त कराना था। वह भारतवर्ष का नवनिर्माण कर सभी क्षेत्रों का विकास करना चाहते थे। वे जानते थे कि भारतवासियों में अपनी संस्कृति के प्रति बहुत आस्था है लेकिन अंग्रेजों ने उनपर पाश्चात्य सभ्यता को अनावश्यक रूप से थोप रखा है। दयानन्द शायद पहले भारतवासी थे जिन्होंने इसका खुलकर विरोध किया। उस समय जब अंग्रेजों का आधिपत्य था और देश में उन्हीं की बातों को सर्वोपरि रखा जाता था, स्वामी दयानन्द सरस्वती एक अकेले ऐसे व्यक्ति थे जिनकी विचारधारा इस पाश्चात्य प्रलोभनों से परे थी। उन्होंने इन विचारधाराओं का विरोध किया। दयानन्द सरस्वती के बारे में अरविन्द घोष ने लिखा है कि भारतीय नवजागरण के नेताओं में एक नेता ऐसा है, जो अपनी विशेषताओं के कारण अलग दिखाई पड़ता है।

उसका काम करने का ढ़ंग सबसे निराला है। ठीक उसी प्रकार जैसे पहाड़ी श्रृंखला में दूर तक जाने पर कोई व्यक्ति सामने ऊँची-नीची चोटियाँ देखता है और सभी चोटियां हरीतिमा से आच्छादित बड़ी ही सुहावनी प्रतीत होती हैं लेकिन इन तमाम पहाड़ियों के बीच उसे एक ऐसी प्रस्तर पहाड़ी नजर आती है जिसकी चोटी नीले आकाश को बेधती हुई दिखाई पड़ती है। जिसके शिखर पर एक अकेला चीड़ का वृक्ष है। इस पहाड़ी से गिरता है जल का प्रपात, जो घाटियों को जीवन और स्वास्थ्य प्रदान करता है। दयानन्द मेरे मन में ऐसी ही छवि उभारते हैं। दयानन्द एक महान योगी, क्रांतिकारी समाज सुधारक, दार्शनिक, राजनीतिक चिंतक और धार्मिक योद्धा थे। एक क्रांतिकारक सुधारक के रूप में उन्होंने मूर्तिपूजा, अस्पृश्यता, बाल विवाह और सतीप्रथा के विरुद्ध अथक संघर्ष किया। मूर्तिपूजा का विरोध करते हुए स्वामी दयानन्द ने कहा कि ब्रह्म निराकार है और ईश्वर सर्वव्यापी है। वह अजन्मा है और शक्तिमान है। अतः उसे किसी रूप में ढालकर उसकी पूजा न करें। वह सभी व्यक्तियों को उनके कर्मों के अनुसार फल देता है। दयानन्द जातिप्रथा के भी घोर विरोधी थे। उन्होंने जाति, धर्म, लिंग के सभी भेदों को अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि जाति का निर्धारण व्यक्ति के कर्म के आधार पर होना चाहिये।

जो जिस तरह के कर्म करता है, उसे उसी कुल या सम्प्रदाय का माना जाना चाहिये। महात्मा गांधी ने जातिप्रथा के क्षेत्र में उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा स्वामी दयानन्द ने जो बहुत-सी अच्छी बातें हमें दीं, उनमें से एक है अस्पृश्यता के विरुद्ध उनकी शिक्षाएं।' दयानन्दजी अंधविश्वास के भी कट्टर विरोधी थे। पण्डित जो जन्म-मृत्यु, जीवन-मरण, स्वर्ग-नरक की पोंगा पण्डियात सीधे-साधे मनुष्यों को बताते हैं और उनके साथ छल करते हैं वह अनुचित है। उनका कहना था कि इनपर विश्वास न करके सिर्फ अपने कर्मों पर विश्वास करें।

वह समाज में व्याप्त सभी बुराइयों का प्रमुख कारण अज्ञानता व अशिक्षा को मानते थे। वे कहते थे कि अशिक्षा, गरीबी और दासता ये तीन बड़ी समस्याएँ हैं, जिनसे निपटना बहुत जरूरी है। विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए बहुत विरोधों के बावजूद वह दृढ़ संकल्पित रहे और इन तीनों बुराइयों को जड़ से समाप्त करने की ओर प्रयासरत रहे। उन्होंने शिक्षा पर जोर देते हुए लड़कियों को पढ़ाने की ओर भी विशेष ध्यान दिया। स्वामी जी ने अपने देशवासियों में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने पर विशेष बल दिया।

उन्होंने वेदों के आधार पर अपने राष्ट्र का निर्माण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वेद ही भारत के धर्म, संस्कृति और सभ्यता के मूलस्त्रोत हैं। वे ही भारतीय चिंतन, दर्शन और ज्ञान का मूल आधार हैं और उन्हीं में हमें भारत को पुनर्जीवित करने की संजीवनी मिलेगी। स्वामी दयानन्द ने समाज में फैली हर चुनौती पर गहरी चोट की और भरपूर कोशिश की कि इन बुराइयों को समाज से बिल्कुल समाप्त कर दिया जाये। इसके लिये उन्होंने भ्रमण किये और जगह-जगह जागरूकता फैलाने का काम किया। आज जो हम भारतवर्ष का स्वरूप देख रहे हैं जिसमें जातिप्रथा, बाल विवाह, सतीप्रथा मुख्य है, जो लगभग अब समाप्त-सी हो गई है, यह दयानन्द सरस्वती के प्रयासों का ही परिणाम है। लोगों में जागरूकता फैलाने, उनमें ज्ञान पैदा करने और व्याप्त बुराइयों को खत्म करने के लिये स्वामी जी ने जितनी यात्राएँ कीं, शायद ही किसी समाज सुधारक ने की हों। दयानन्द सरस्वती का एक बहुत ही प्रशंसनीय कार्य था- आर्य समाज की स्थापना। समय के साथ चलते हुए और शिक्षा के क्षेत्र में काम करके राष्ट्रीयता की प्रबल भावना का प्रसार करते हुए आर्य समाज आधुनिक भारत में एक बहुत बड़ी जीवंत शक्ति बन गया है। स्वामी दयानन्द ने भारत की तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों की समस्याओं का जो समाधान प्रस्तुत किया, उससे उन्होंने आधुनिक चिंतन की आधारशिला रखी। अपने अनूठे कार्यों के लिए स्वामी दयानंद सरस्वती युवा पीढ़ी में हमेशा याद किये जाते रहेंगे।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

जनजातीय हितों व श्रद्धा पर केंद्रित हो नई वननीति

डॉ. प्रवीण गुगनानी

नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार से समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग अलग आस्था का सम्बंध होता है।

वनग्राम, वनों से सटे राजस्व ग्राम, जनजातीय समाज, वनों के भीतर कृषि का अधिकार, जनजातीय समाज को वनों के सीमित उपयोग की अनुमति आदि-आदि विषय मप्र में एक बड़ा सामाजिक सरोकार का प्रश्न रहे हैं। यह प्रश्न अब गहरा रहा है। मप्र सरकार कंपनी, संस्था, व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को बिगड़े जंगल अनुबंध पर साठ वर्ष हेतु देनें के प्रस्ताव पर विचाररत है। नई नीति में निजी क्षेत्र को, विभाग के अनुसार नए पौधे लगानें होंगे। दो वर्ष में पौधे नहीं उगे तो अनुबंध समाप्ति का अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा। इन वनों का कार्बन क्रेडिट, वन विभाग के माध्यम से विक्रय करेंगे। इस नीति के अनुसार एक हजार हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रावधान है। अनुबंधित वनों से प्राप्त वनोपज का पाँचवा भाग वन समिति को और शेष चार भाग वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेंगे। फल वनोपज का आधा भाग निजी कंपनी को प्राप्त होगा।

मप्र में पंचानवे हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र है जिसमें से सैतीस लाख हेक्टेयर क्षेत्र बिगड़े वन हैं। इसे ही निजी क्षेत्र में सौंपने की तैयारी है। नई नीति के अन्तर्गत निजी निवेशकों का इन वनीय क्षेत्रों की, उपज, व कार्बन क्रेडिट पर प्रथम अधिकार होगा। नई नीति का नाम 'सीएसआर एवं कंपनी एनवायरोनमेंट रिस्पांसिबिलिटी एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापनाह्व है। इसके अंतर्गत मप्र में निजी निवेशक न्यूनतम दस हेक्टेयर वन का चयन कर सकेंगे।

नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार से समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग अलग आस्था का सम्बंध होता है। हजारों-लाखों प्रकार के जीव-जंतुओं का भोजन, उनकी औषधियां, उनकी रहवासी आवश्यकताएँ सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। जीव-जंतु तो छोड़िए जनजातीय समाज और नगरीय समाज को मिलने वाली हजारों वनीय औषधियां, जड़ी-बूटियाँ, रसायन, मौसमी, उत्पाद सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। प्रकृति की अविरल धारा के समक्ष एक बड़ा अवरोध व परिवर्तन उपस्थित होगा जिससे कई प्रकार की असंगतियाँ-विसंगतियाँ देखने को मिलेंगी।

अनुबंध पर जंगल लेने वाले व्यसायी केवल लाभ से सरोकार रखेंगे। निजी वन व्यवसायी और कम्पनियाँ आदि; राष्ट्रीय, पर्यावरणीय, सामाजिक, धार्मिक आदि विषयों के प्रति कोई सरोकार या संवेदनशीलता रखने से तो रहे। व्यावसायिक लाभ ही एकमेव लक्ष्य होगा, इससे वनोपज में असंतुलित वृद्धि तो हो सकती है किंतु पर्यावर्णीय हानि, जैव व वन विविधता की हानि व वनवासी समाज के साथ शासन व शेष समाज के सम्बंध बिगड़ सकते हैं। नई वन नीति की सम्पूर्ण समीक्षा की आवश्यकता है। या तो यह नीति रद्द हो या फिर इस नीति में वनीय, विविधता, जैव विविधता, जलीय सरंचनाओं, वनीय पशु-पक्षियों की आवश्यकताओं, वनवासी बंधुओं की आजीविका आदि विषय में सुरक्षा की गारंटी हो।

नई वन नीति में जिसे 'बिगड़े वनह्व कहा जा रहा है, उसकी परिभाषा भी तय नहीं है। ग्राम सभा की अनुमति की शर्त भी बड़ी ही आसान व एक औपचारिकता मात्र है। केवल मूल्यवान लकड़ी प्रदान नहीं करने वाले वनों को बिगड़ा हुआ वन मान लेना एक बड़ी प्रदूषित, शोषक, स्वार्थी व एकपक्षीय नीति है। वनवासी बंधुओं की धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं को एवं पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए वनीय विविधता बनी रहना परम आवश्यक है। इस नई वन नीति से हमारी आने वाली पीढ़ियाँ कई वनीय उत्पादों के केवल नाम ही सुन पाएगी। आज जिस प्रकार कृषि क्षेत्र में केवल दो चार प्रकार के अन्न का उत्पादन हो रहा है व शेष फसलों का उन्मूलन होता जा रहा है वही स्थिति वनों में भी देखने को मिलेगी। प्रत्येक ऐसे वृक्ष को जिससे आर्थिक लाभ नहीं होता है या कम लाभ होता है उसे कुल्हाड़ी की बलि चढ़ाकर, वहाँ व्यावसायिक लाभ की दृष्टि से मूल्यवान पेड़ लगा दिए जाएँगे। लाभमात्र के मूलमंत्र से पारिस्थितिकी संतुलन व इको सिस्टम समाप्त होगा। वनों में ये कंपनियां बेतहाशा इको टूरिज्म को बढ़ावा देंगी, यह लाभप्रद तो अवश्य ही होगा किंतु इसके गंभीर साइड इफेक्टस भी हो सकते हैं। आशंका है कि, वनों को लेकर 'अंधाधुंध दोहन की' या केवल 'लाभ की नीति' से पर्यावरण असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।

वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के समय भी इस प्रस्ताव को लाया गया था जो बाद में फाइलों में बंद हो गया था। फाइलों में बंद इस जिन्न को मप्र वन विभाग के नौकरशाहों ने पुनः बाहर निकाला है। यद्दपि यह मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की संवेदनशीलता ही है कि सरकार ने अभी एकतरफा निर्णय नहीं लिया है, तथापि मुख्यमंत्री जी को जनजातियों के प्रति असंवेदनशील, वन नीति से सावधान रहना होगा। मान. मुख्यमंत्री जी के अध्यक्षता मे कुछ ही दिन पहले एक टास्क फोर्स की मीटिंग हुई थी, जिसमें वन अधिकार कानून के तहत ग्राम सभाओं को अपने परंपरागत वन क्षेत्र के पुनर्निर्माण, संवर्धन, संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकार देने का निर्णय हुआ था। संभवतः इसी को ध्यान में लेकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस वन नीति के प्रारुप को अभी सहमति नहीं दी होगी।मप्र शासन ने नई वननीति के संदर्भ में apccfit.mp.gov पर जनता से सुझाव व आपत्तियाँ माँगी हैं। सभी पर्यावरणविदों को सुझाव देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि शासकीय आय बढ़ाने के इस उपक्रम को वन शोषण का धतकर्म बना दिया जाए। वन विकास के नाम पर कहीं हमारें वन व्यवसाइयों व दलालों की भेंट न चढ़ जाएँ। मप्र की जनता से प्राप्त होने वाले सुझावों और आपत्तियों को देखते हुए नीति में वांछनीय परिवर्तन या संपूर्णतः अस्वीकृत भी किया जा सकता है। मप्र की भाजपा सरकार की ओर से यह एक शुभ संकेत है और एक अवसर भी। वस्तुतः स्टेट फारेस्ट रिपोर्ट 2023 में यह निष्कर्ष था कि मध्यप्रदेश, सन्त्यान्वे हजार वर्ग किमी वनक्षेत्र वाला देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसमें यह तथ्य भी उभरकर आया था कि, 2021 की तुलना में, 2023 में, मप्र में 612 वर्ग किमी जंगल कम हो गए हैं। मप्र में चालीस प्रतिशत से कम घनत्व वाले वनों को बंजर भूमि या ओपन फॉरेस्ट कहा गया है। इस वनभूमि को ही निजी क्षेत्रों में देना प्रस्तावित है। मप्र सरकार का लक्ष्य इस बंजर भूमि पर वनक्षेत्र बढ़ाना है। किंतु इस लक्ष्य के पीछे कहीं उद्योगपति इनका शोषण न करने लग जाएँ। इस हेतु शासकीय व सामाजिक विजिलेंस का एक बड़ा नेटवर्क निर्मित करना होगा। ग्राम समितियों को नई नीति में शासन की आँख, कान, नाक बनाकर सोशल विजिलेंस का एक नया उदाहरण समूचे देश के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रस्तावित ड्राफ्ट के पहले भाग में सीएसआर और सीईआर (कॉपोरेट एनवायरमेंट रिस्पांसबिलिटी) निधि से वन विकास का उल्लेख है। दूसरे भाग में निजी निवेश से ओपन फारेस्ट के विकास का लक्ष्य है। यह ड्राफ्ट रोजगार सृजन, राजस्व की सृजन आदि विषय में भी अस्पष्ट है।

एक सुझाव यह भी है कि नई वन नीति समूचे मप्र हेतु एक जैसी न बनें। इस नीति को क्षेत्रवार, भौगोलिक विशेषताओं, विशिष्टताओं, वनीय बंधुओं की आवश्यकतानुसार, वनीय बंधुओं की परंपराओं आदि को ध्यान में रखकर, वनीय बंधुओं के रोजगार सृजन के लक्ष्य से, वनवासी बंधुओं के विस्थापन-स्थापन की सधी हुई दृष्टि से, निर्मित करना होगा। मप्र की नई वननीति व्यवसाय नहीं अपितु वनवासी समाज केंद्रित हो यह ध्यान में रखना ही होगा।

साहित्य संवाद

पाप धुल जाने का भ्रम

कमलेश पुण्यार्क

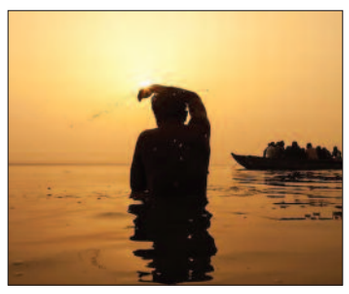

कुरुक्षेत्र रणभूमि के एक विशेष सुरक्षित क्षेत्र में शर-शैय्या-शायी गंगापुत्र भीष्म शोकसंतप्त पाण्डवादि से घिरे हुए हैं। श्रीकृष्ण भी वहीं उपस्थित हैं। मृत्यु भी जिनकी इच्छा की प्रतीक्षा करती है, ऐसे सिद्ध पुरुष शान्तनुनन्दन का चित्त उद्वेलित है। संशयात्मक जिज्ञासा है उन्हें, क्योंकि विगत सौ जन्मों तक का ज्ञात अतीत भाँक आए हैं, जिसमें कहीं कोई ऐसा पाप उनके द्वारा नहीं हुआ है, जिसका दुष्परिणाम वे आज भुगत रहे हैं, इस शरशैय्या पर।

उनके इस संशय के निवारण हेतु श्रीकृष्ण उन्हें अतीत के कुछ और पन्ने पलटने की शक्ति प्रदान करते हैं। और तब पितामह ने देखा वो दृश्य, जिसमें अनजाने ही उनका वाण एक गिलहरी को वेधकर नागफनी के पौधे पर ला फँसाया है। शताधिक जन्मों के पश्चात आज वही अभुक्त कर्मफल युद्धभूमि में शरशैय्या स्वरूप फलित हो रहा है।

प्रश्न है कि क्या भीष्म ने ऐसा कोई सत्कर्म नहीं किया पिछले शताधिक जन्मों में, जो इस छोटे से अनजान अपराध से उन्हें मुक्ति दिला सके?

ऋषि माण्डव्य के साथ भी एक विचित्र घटना घटी थी—अवोधावस्था में उन्होंने एक फतिंगे के गुदामार्ग में सींक चुभो दिया था, जिसके परिणामस्वरूप गुदामार्ग में शूल चुभी स्थिति में ही उनका अगला जन्म हुआ।

हालाँकि ऋषि माण्डव्य ने अबोधावस्था के पाप का ऐसा कठोर दण्ड-विधान-कर्ता धर्मराज को ही शापित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप धर्मराज को महात्मा विदुर के रूप में जन्म लेना पड़ा।

कर्मजगत में सदा सचेष्ट, एकदम फूँक-फूँककर पग धरने वाले धर्मात्मा, दमयन्ति पति राजा नल की निर्मलकाया कलिग्रस्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप सबकुछ विखर गया—राज्य, राज्यलक्ष्मी और गृहलक्ष्मी भी।

विगत सदी में श्रीरामकृष्ण परमहंसजी एक अद्भुत संत हुए। सुनते हैं कि उनका सिर सहलाया करती थी वात्सल्यमयी माँ काली। जबकि आश्चर्य की बात है कि वे गले के कर्कटार्बुद से पीड़ित रहते हुए, बहुत कष्टमय स्थिति में शरीर त्यागे।

प्रश्न उठता है कि शिरोवेदना दूर करने वाली जगदम्बा के लिए ये व्याधि असाध्य कैसे हो गई?

संशय और जिज्ञासा समीचीन है। विचारणीय है। चिन्तनीय है। मननीय है। वस्तुतः कर्म की गति बड़ी गहन है—...गहना कर्मणो गतिः। (गीता४-१७) इस गम्भीर विषय को ठीक से समझना बड़ा कठिन है।

अपने राजपुरोहित को यमलोक के अग्निकुण्ड में तड़पते देखकर, जिज्ञासु राजा सोमक को धर्मराज समझा रहे हैं—नान्यः कर्तुः फलं राजन् नुपभुङ्क्ते कदाचन...कर्म का फल स्वयं कर्म के कर्ता को ही भुगतना पड़ता है—इसमें संशय नहीं।

यानी कि अवश्यमेव भोक्तव्यं कृते कर्म शुभाशुभम्—शुभाशुभ कर्म हर हाल में हमें भोगना ही पड़ता है—इसकी प्रमाणिकता सिद्ध हो रही है!

ऐसे में संशयात्मक जिज्ञासा स्वाभाविक है—यदि ऐसा ही है, तो फिर यद्ह्वा कुरुते पापं तद्ह्वा प्रतिमुच्यते...यद्रात्र्या कुरुते पापं तद्रात्र्या प्रतिमुच्यते...का क्या मतलब? ऐसा क्यों कहा गया?

भविष्यपुराण, आदित्यहृदय प्रसंग में उक्त बातें कही गई हैं कि आदित्यहृदयपाठी का दिन का किया हुआ पाप दिन में ही नष्ट हो जाता है और इसी भाँति रात का किया हुआ पाप रात को ही नष्ट हो जाता है। ऐसे ही भावों के अनेकानेक श्लोक पुराणादि में मिलते हैं, जिनमें भगवन्नामजप, कीर्तन, स्तोत्रपाठादि फलश्रुति प्रशस्ति है।

जो वेद, उपनिषद, आरण्यक, ब्राह्मणादि जैसे जटिल विश्लेषणों को हृदयंगम नहीं कर सकते हैं, उनके लिए पुराण स्वरूप सरलीकरण किया गया। किन्तु कलिमल ग्रसित आलोड़ित काल में पुराणोदधि को मथकर, निर्मल नवनीत निकालना भी इतना सहज नहीं है।

योगशास्त्र चित्त वृत्तियों के निरोध की बात करता है योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः...अभ्यासवैराग्याभ्यां तन्निरोधः। (पतञ्जलि) यानी शुभ वा अशुभ समस्त कर्मों की वृत्तियाँ जब स्वयमेव निरुद्ध हो जायेंगी, तभी योगसिद्ध होगा।

संशयाविष्ट शोकसन्तप्त अर्जुन को भी पहले सांख्य-सिद्धान्त ही सुझाया गया, क्योंकि वे सांख्य शैली में ही कुतर्क कर रहे थे। कर्मयोग की बात तो बाद में चली। और फिर भक्तियोग पर आकर अटक गई।

श्रीकृष्ण कहते हैं—आब्रह्मभुवनाल्लोकाः पुनरावर्तिनोऽर्जुन। (८-१६पूर्वार्ध) यं प्राप्य न निवर्तन्ते तद्धाम परमं मम ।।(८-२१उत्तरार्द्ध) अर्थात भूलोक से ब्रह्मलोक तक के सभी लोक आवागमन (पुनर्जन्म) वाले हैं, जबकि श्रीकृष्ण का परमधाम पुनरावर्ती नहीं है।

श्रीकृष्ण ने बड़ी चतुराई से, बड़ी सहजता से, दृढ़तापूर्वक निष्कामकर्मयोग की महिमा का बखान किया है। वस्तुतः इन सारी समस्याओं की जड़ ऐष्णा, कामना, कर्तापन ही है। निरन्तर अभ्यास से यदि ये नष्ट हो गया तो फिर कोई चिन्ता की बात नहीं। और यदि लाख चेष्टा के बावजूद यत्किंचित भी शेष रह गया, तब तो भँवजाल भुगतना ही है। सुकर्म (पुण्य) सोने की हथकड़ी के समान है और कुकर्म (पाप) लोहे की हथकड़ी के समान। बन्धन तो दोनों ही हैं। मजे की बात है कि दोनों का सुखासुख परिणाम स्वतन्त्ररूप से भुगतना ही है जीवमात्र को।

अतः इस भ्रम में न रहें कि पुण्य अर्जित करके, पाप से मुक्ति पा गए। मजेदार बात है कि पुण्य अर्जित कितना कर रहे हैं? महाकुम्भ की भीषण भीड़ का हिस्सा बन जाना पुण्य नहीं है। वैष्णोदेवी का पहाड़ चढ़ जाना मात्र पुण्य नहीं है। रात की बची रोटी गाय, कुत्ते या भिखारी को दे देना मात्र पुण्य नहीं है।

ध्यातव्य है कि कर्म का उद्देश्य क्या है, कर्म करते समय भाव कैसे हैं, विचार कैसे हैं—ये विशेष विचारणीय है। त्वदीयं वस्तु गोविन्द, तुभ्यमेव समर्पयेत...तेरा तुझको अर्पण...। कण-कण व्यापी ईश्वरीय सत्ता का आभास हो जाए यदि, फिर कोई यात्रा आवश्यक नहीं। और यदि नहीं हुआ, तो सारी यात्राएँ व्यर्थ।

अतः निरन्तर प्रयास हो कर्तापन के नाश का, निष्काम कर्म का। और यह निष्काम कर्म (कर्तापन के नाश का अभ्यास) इतना आसान नहीं है, जितना हम समझते हैं।

अतः एक काम और करते रहें—कायेन वाचा मनसेन्द्रियैर्वा बुद्ध्यात्मना वा प्रकृतेः स्वभावात्। करोमि यद्यत् सकलं परस्मै नारायणायेति समर्पयामि—शरीर से, वचन से, मन से, इन्द्रियों से, बुद्धि से या स्वाभाविक रूप से, जो कुछ भी हो रहा है इसे श्रीनारायण को समर्पित कर देने का अभ्यास। और हाँ, ये समर्पण वाला अभ्यास किसी एक जन्म में सिद्ध हो ही जाय, कोई जरुरी नहीं। किसी क्षण विशेष में घटित हो जाए—वो बात अलग है, क्योंकि बहूनि मे व्यतीतानि जन्मानि तव चार्जुन। तान्यहं वेद सर्वाणि न त्वं वेत्थ परन्तप।।

मृत्यु कर मेरा वरण मैं सुयोग्य वर हूँ..

समीक्षा ठाकुर
नाथ नगरी बरेली

मृत्यु कर मेरा वरण मैं सुयोग्य वर हूँ,
शांत शीतल पथ रुका मानस भंवर हूँ।।

मैं बही हूँ नेह की पावन नदी में,
गिन चुकी हूँ क्षण की राशियाँ सदी में,
मैने भावों में बंधे आबन्ध तोड़े,
पूर्व में बिछड़े हुए सम्बन्ध जोड़े,
पर कभी मैं मापदण्डों से न जीती,
प्रश्न अगणित,उत्तरों का धीमा स्वर हूँ,
मृत्यु कर मेरा वरण मैं सुयोग्य वर हूँ।।

जीत लीं हैं मैने हर एक क्षेत्र ख्याति,
पर नहीं मैं मानवों को जीत पायी,
छू चुकी हूँ यूँ तो अम्बर के हृदय को,
अपनोंके कोमल हृदय को छू न पायी,
हर घड़ी को जी रही हूँ नेत्र खोले,
मौन प्रतिपल किन्तु मैं भीतर प्रखर हूँ,
मृत्यु कर मेरा वरण मैं सुयोग्य वर हूँ।।

ईश के आशीष को भी पा लिया है,
पूर्ण कर कर्त्तव्य गंगा-जल पिया है,
स्व है पर के दृष्टिबिम्बों में निमीलित,
मार्ग यूँ इहलोक का रेखित किया है,
शून्यमें मिलकर बनूँ उत्तर का ध्रुव मैं,
जी रही हूँ जैसे कि हर एक प्रहर हूँ,
मृत्यु कर मेरा वरण मैं सुयोग्य वर हूँ।।

लघु कथा-

परिवार प्रबोधन क्यों जरूरी है

जितेंद्र कंसल

अशोक हॉस्पिटल के एक वार्ड में माथा पकड़े बैठा था। उसकी गोद में एक साल की बेटी सो रही थी। तीन साल का बेटा उसकी बांह पकड़े खड़ा था। पास में ही उसकी पत्नी बैड पर लेटी हुई थी। पत्नी को बीमार हुए एक महीना हो गया था। मगर अभी भी वह गम्भीर रूप से बीमार थी। पत्नी बीपी लो होने के कारण बेहोश हो गई थी। हॉस्पिटल लाने के दो दिन बाद उसे होश आया था। मगर इतनी देर तक बीपी लो रहने के कारण हार्ट, फेफड़े, किडनी और अन्य अंगों का बुरा हाल हो गया था। इलाज चल रहा था मगर सुधार बहुत धीरे हो रहा था। वह एक महीने से बीमार बीवी और दो छोटे बच्चों को अकेला सम्भाल रहा था। वह पिछले चार दिनों से नहाया भी नहीं था। उसकी हालत इतनी खराब थी कि वह कहीं अकेला बैठकर रोना चाहता था।

शुरू में कुछ यार दोस्त और मोहल्ले के कुछ लोग मिलने आये थे। उसके बाद तो लोगों ने फोन उठाना भी बन्द कर दिया था। कि वह कहीं पैसे ना मांग ले। शहर में वह ज्यादा लोगों को जानता भी नहीं था। क्योंकि तीन साल पहले वह माँ बाप, और भाई भाभियों से लड़कर इस शहर में आया था। तभी से बीवी बच्चों के साथ किराये के मकान में रह रहा था।

घर में कोई बीमार पड़ता है तब सगे सम्बन्धी और रिश्तेदार ही काम आते हैं। अशोक तो ससुराल वालों से भी लड़कर बैठा था। दो रुपये कमाने क्या शुरू किये घमण्ड में अपनो से ही दूरी बना बैठा था।

अचानक उसने हिम्मत करके अपनी माँ को फोन मिलाया। पूरी घण्टी जाने के बाद भी माँ ने फोन नहीं उठाया।

फिर दूसरी बार फिर से कॉल किया तो माँ ने फोन काट दिया। उसे याद आया तीन साल पहले जब माँ से लड़कर आया था तब उसने कहा था। 'तुम सब मेरे लिए मर चुके हो मै तुम लोगों का मुँह भी नहीं देखूंगा।'

मां के फोन काटने पर वह निराश हो गया। उसकी आँखों में आँसू निकल आए। पास ही बैड पर सोई पत्नी टुकुर टुकुर देख रही थी। पति को रोते देखा तो उसकी आँखों मे भी आँसू निकल आए। अशोक ने सोचा पापा को फोन मगर पापा और बड़े भाईयों से बात करने की उसकी हिम्मत नहीं थी। एक मात्र माँ ही वो कड़ी थी जिससे वह बात कर सकता था। मगर माँ ने फोन काट दिया था। उसने एक बार और आखरी कोशिश करने के लिए माँ को फोन मिला दिया। इस बार माँ ने फोन उठा लिया। 'माँ बोली' क्या है? हम लोग तो तुम्हारे लिए मर गए है। अब हमारे जीवित श्राद्ध करने के लिए फोन कर रहा है क्या?'

माँ की आवाज सुनते ही उसका सब्र जवाब दे गया। वह रुँधे गले और बिगड़ते चेहरे के साथ इतना ही बोल पाया 'माँ' फिर फफक फफक कर रोने लगा। वो माँ थी। औलाद का रोना कैसे सहन कर सकती थी। तुरंत माँ का गुस्सा शांत हो गया सारे मनमुटाव एक पल मे भूल गई।

जिस तरह एक हिरनी अपने बच्चे के लिए तड़प उठती है वैसे ही वह अधीर होकर बोली 'क्या हुआ रे.. रो क्यों रहा है? जल्दी बता बेटा। मेरा मन घबरा रहा है?'

माँ के वात्सल्य भरे शब्दों को सुनकर वह जोर जोर से रोने लगा। वार्ड मे दूसरे मरीज और उनके परिजन उसकी तरफ देखने लगे।

माँ अनर्थ के डर से बार बार पूछ रही थी।

'क्या हुआ बेटा जल्दी बोल ना?' वह रुलाई रोकते हुए रुँधे गले से बोला 'माँ तेरी बहु एक महीने से हॉस्पिटल में भर्ती है। उसे और बच्चों को संभालते संभालते थक गया हूँ माँ।'

माँ बोली 'तू अकेला कहाँ है रे हम हैं ना। अभी तेरा बाप जिंदा है माँ जिंदा है। तीन बड़े भाई हैं भाभियाँ है। बताने में तुमने इतनी देर क्यों कर दी बेटा। तू अब फिकर मत करना। दो घण्टे में सबको लेकर आ रही हूँ। तू हिम्मत रखना।'

आज बरसों बाद उसे माँ के वचन अमृत तुल्य लगे। शरीर में जान आ गई। ऐसे लगा जैसे अब सब कुछ ठीक हो जाएगा। वह खड़ा होता हुआ पत्नी से बोला 'अब तू बिल्कुल ठीक हो जाएगी। माँ आ रही है। पत्नी रोते हुए सारी बातें सुन रही थी। बोली ₹परिवार आ रहा है ये सुनकर मेरी भी हिम्मत बधं गई है जी।' कुछ देर बाद ही उसका पूरा परिवार वहाँ पहुँच गया। बाप ने जब उसके कन्धे पर हाथ रखा तो वह पिता के सीने से चिपकते हुए रो पड़ा, रोते रोते बोला ' माफ कर दो पापा।' पिता ने उसे भुजाओं में कसते हुए कहा' रो मत मै हूँ ना।' भाईयों से गले मिला तो वे बोले 'ज्यादा बड़ा हो गया क्या? इतनी बड़ी बात हो गई और तू अब बता रहा है?' तीनो भाभियाँ भी साथ आई थी। साथ मे घर से खाना बनाकर भी लाई थी। तीन साल बाद उसने अपने घर का खाना खाया। फिर माँ ने उसे नहाने के लिए घर भेज दिया। परिवार के आने से वह हल्का फुल्का महसूस कर रहा था। घर पहुँचते ही नहा कर बेफिक्र होकर सो गया। एक महीने बाद उसे चैन की नींद आई। उसकी पत्नी जो एक महीने से बेसुध थी। परिवार के आते ही चैतन्य हो गई। अपनों का साथ दवाई का काम कर गया। वह सात दिन में ही ठीक हो गई।

अशोक और उसकी पत्नी को समझ में आ गया कि परिवार के बिना कुछ भी नहीं है इसलिए वे अपने परिवार के साथ ही गाँव लौट गए।

शिक्षा

आजकल यारी दोस्ती तो सिर्फ मतलब की रह गई है। ऐसे मौके पर सही मायनों में अपना परिवार ही काम आता है। इसलिए बेशक अलग रह लीजिए मगर अपनों से जुड़े रहिए। गुरुर में उन्हें खोने की गलती मत करिये। क्योंकि अपने तो अपने होते है। उनके बिना इंसान भीड़ मे भी अकेला है।

(श्रीहरिकृपा व्हाट्स एप समूह से साभार)

यू.पी. ऑब्जर्वर साहित्य संवाद पृष्ठ के साहित्य संपादक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार कवि पंडित सुरेश नीरव हैं।

भूलोक का सबसे बड़ा पर्व है महाकुंभ

स्वामी ओमानंद
भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम, शुकतीर्थ

सनातन संस्कृति में कुम्भों का विशद वर्णन है। ज्योतिष की दृष्टि से ब्रह्मांड में 12 कुंभ होते हैं। जिनमें से 8 देवलोक में और 4 भूलोक में होते हैं। यह एक अनवरत प्रक्रिया है, जो नक्षत्रों और ग्रहों की युति और दृष्टि संबंध से निरंतर है। देवलोक में संपन्न होने वाले कुंभों में ३३३ कोटि देव उसके अनुष्ठान के लाभ लेते हैं, लेकिन शेष 4 कुंभ भारत भूमि पर ही चार पवित्र स्थानों पर संपन्न होते हैं।

ऋग्वेद में एक ऋचा है -

उपह्वरे गिरीणां सङ्गमे च नदीनां धियो विप्रो अजायत।।

अर्थात संसार को उचित निर्देशन देने वाले विप्र- ब्रह्मविद्या के ज्ञान से परिपूर्ण देवतुल्य ऋषि मुनि, पर्वतों की गुफाओं में और नदियों के संगम पर ध्यान साधना और अभ्यर्चन से सम्पन्न होते हैं....!

वे ऋषि मुनि सदैव ध्यानस्थ होकर उस परमात्मा को प्राप्त होते हैं...जिनके श्वास प्रश्वास से लोक कल्याण होता है। इसलिए मोक्षार्थी पर्वतों की गुफाओं और नदियों के संगम पर बैठ कर परमात्मा का ध्यान करते हैं तथा सर्वत्र व्याप्त अविनाशी ब्रह्म की उपासना करते हैं। आत्मा वस्त्र की भांति शरीर को बदलकर नए शरीर को प्राप्त होती रहती है। जाती है और पुनः पुनः नई यात्रा आरम्भ होती रहती है। यह जीवन क्षण क्षण में नवता को उपलब्ध होता है, तभी रमणीय होता है। राम को प्राप्त होना तो अत्यंत कठिन है, लेकिन राम का दर्शनलाभ तो लिया जा सकता है...जैसे जैसे विचारों का तमस हटता है...मनुष्य रजस को प्राप्त होता है...और मार्ग प्रकाशित होना आरम्भ हो जाता है...जैसे जैसे रजस से आगे बढ़ने का मार्ग बनता है तो उस परम पिता परमात्मा में लीन होने की अवस्था आ जाती है...यही सतोगुण का प्रभाव अपना आवरण प्रसारित कर देता है और तमसो मा सद्गमय की अवस्था जन्म लेती है...लेकिन ये सब कह देना सहज और सरल है...यह बहुत कठिनाइयों से भरा मार्ग है...आध्यात्मिक कठिनाइयों १५ से ५९ वयवर्ष के प्रायः ५२ प्रतिशत और ६० एवं उससे अधिक आयुवर्ग के प्रायः एक प्रतिशत सनातनी हैं।

इस आलेख के लिखे जाने तक प्रायः ६० कोटि से अधिक सनातन के पुत्र प्रयागराज के इस पवित्र महाकुंभ में अमृत से परिपूर्ण त्रिवेणी की धारा में संगम पर स्नान का पुण्य अर्जित कर चुके हैं। यदि भारत की जनसंख्या के आंकड़े पर दृष्टि डालें तो कह सकते हैं कि समस्त हिन्दू सनातन के पुनर्जागरण का साक्षी हो चुका है और वह उमंग में है, उत्साह में है और दैवीय कृपा से तरंगित होकर अपने इष्ट की शरण में है। गुप्तकाल को भारत का स्वर्ण काल कहा गया है और योगी आदित्यनाथ और नरेंद्र मोदी का यह कालखंड सनातन का स्वर्ण काल है। जागृत हिन्दू अपने तीर्थों पर अपने इष्ट से प्रार्थनारत है। अपने इष्ट को प्रसन्न कर रहा है। अयोध्या, मथुरा - काशी से लेकर पूरे देश के सभी तीर्थ इस पावन प्रवाह में प्रवाहित होकर स्वयं को धन्य कर रहे हैं। यह अद्भुत आध्यात्मिक अवसर है, जिसे कोई नहीं छोड़ना चाहता है। पूजनीय जगतगुरु शंकराचार्य, महामंडलेश्वर, सन्त एवं भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल और समस्त मंत्रिमंडल, उच्च अधिकारी, देश विदेश से पधारे श्रद्धालु भक्त और विश्व के अनेक राष्ट्रप्रमुख महाकुंभ स्नान करके अपने पुण्योदय कर रहे हैं। ७० से अधिक देशों के श्रद्धालुओं ने भी इस बार महाकुंभ में स्नान पुण्य का लाभ उठाया है।

इस कुंभ में अंतिम अमृत स्नान के लिए निर्धारित २६ फरवरी तक प्रायः ७० कोटि (करोड़) सनातनी स्नान कर चुकेंगे ऐसा प्रतीत होता है। इस प्रकार सनातन के सभी परिवार किसी न किसी प्रकार से इस महाकुंभ में स्नान करके पुण्यार्जन कर चुके हैं। क्योंकि इस महाकुंभ में देवलोक के कुंभ से भी द्विगुणित अधिक संख्या में स्नान संतति ने पवित्र स्नान किया है। जोकि एक ऐतिहासिक सर्वोच्च प्रमाण है। ऐसा महाकुंभ अभी तक ब्रह्मांड में नहीं हुआ है। इसलिए इस कुंभ को महाकुंभ कहा गया है। इस महाकुंभ को दिव्य, भव्य, अलौकिक एवं ऐतिहासिक बनाने में देश के यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय यशस्वी मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर श्री योगी आदित्यनाथ जी को इस लोक कल्याण के कार्य के लिये इतिहास सदैव स्मरण रखेगा। उनकी महान सेवाओं के लिए सारा सनातन जगत उनका सदैव आभारी और ऋणी रहेगा।

शुकतीर्थ धाम को बनाएंगे स्वच्छ एवं दर्शनीय: उमेश मिश्रा

जिलाधिकारी ने गंगा तट में प्रारम्भ कराया सफाई अभियान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोरना। महाभारतकालीन शुकतीर्थ के गंगा घाट क्षेत्र में सफाई अभियान का शुभारम्भ जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने किया। डीएम ने कहा कि जनसहयोग से पौराणिक तीर्थ को प्रदूषणमुक्त बनाएंगे।

शुकतीर्थ में डीएम उमेश मिश्रा ने स्वच्छता अभियान के दौरान स्वयं गंगा प्रवाह की सफाई की और कहा कि शुकदेव सेतु से पार्क तक के तट से बहती गंगा से घास, अन्य सामग्री हटाएंगे। जल का स्तर घटने नहीं देंगे, ताकि तीर्थ में पधारे श्रद्धालु तथा भागवत भक्त स्नान का पुण्य ले सके। एडीएम प्रशासन नरेंद्र बहादुर, एसडीएम सुबोध कुमार, डीएफओ कन्हैया पटेल, डीपीआरओ धमेंद्र कुमार आदि अधिकारियों के साथ डीएम ने स्वयं घाटों पर झाड़ू लगाई। डीएम मिश्रा ने कहा कि जन प्रतिनिधियों और जिला पंचायत के सहयोग से शुकतीर्थ को पूर्ण स्वच्छ और दर्शनीय बनाएंगे। उधमियों और सामाजिक संस्थाओं का सहयोग लिया जायेगा। सफाई अभियान में सुबह से जुटे निरंकारी सत्संग व्यास के सेवादारों, श्री गंगा सेवा समिति पदाधिकारियों, महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याणदेव डिग्री कालेज मोरना

- कारगिल स्मारक पर शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

सहित अनेक कालेजों के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं को डीएम ने प्रोत्साहित किया।

गंगा तट पर स्थापित कारगिल शहीद स्मारक पर पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द महाराज और डीएम उमेश मिश्रा ने कारगिल युद्ध में बलिदान हुए 527 सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्रीय सैनिक संस्था के पूर्व सैनिकों की दिक्कतें सुनी।

उन्होंने शिक्षा ऋषि वीतराग स्वामी कल्याणदेव के साथ चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह आदि क्रांतिकारियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द ने डीएम से शुकदेव सेतु से गंगा घाट तिराहे तक सड़क चौड़ीकरण की मांग रखी। डीएम ने बुजुर्ग एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं हेतु घाट पर कम ऊंची सीढ़ियों सहित रैम्प बनाने का भी आश्वासन दिया। यहां से डीएम उमेश मिश्रा श्री शुकदेव संस्कृत माध्यमिक विद्यालय में पहुँचे और आम का पौधा लगाया। प्रधानाचार्य गिरीश चंद उप्रेती, आचार्य अरुण और विद्यार्थियों ने मंत्रपाठ किया। विद्यालय में ही उन्होंने अधिकारियों के तीर्थ की कार्य योजना पर बैठक ली। पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द महाराज ने कहा कि तीर्थ के संत-महात्मा सीएम योगीजी के आभारी है। विकास परिषद की कार्य योजना से भागवत जन्मभूमि भव्य स्वरुप से बनेगी। डीएम ने भरोसा दिया कि स्वामीजी के मार्गदर्शन और संतों के सुझाव से समन्वय के साथ तीर्थ में विकास कार्य पूरे कराये जाएंगे। परिक्रमा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर डीएम मिश्रा ने पैदल सीढ़िया चढ़ी और अक्षय वट की परिक्रमा की। श्री शुकदेव मंदिर में पूजा अर्चना कर तीर्थ के जीर्णोद्धारक वीतराग स्वामी कल्याणदेव की अमिट सेवाओं को याद किया। ट्रस्टी ओमदत्त देव, कथा व्यास सुमन कृष्ण शास्त्री, आचार्य अरुण, ठाकुर, युवराज, विजय शर्मा, दीपक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर भगवान दूधेश्वर का जलाभिषेक करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं: श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि पर्व का बहुत अधिक महत्व है। इस पर्व भगवान शिव का व्रत रख्कर, उनकी पूजा-अर्चना करने व जलाभिषेक करने से हर प्रकार के कष्ट दूर होते हैं और भगवान शिव की कृपा से सुख-समृद्धि व खुशहाली की प्राप्ति होती है। महाराजश्री ने बताया कि इस बार चतुर्दशी दो दिन है, मगर महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी को ही मनाया जाएगा।

चतुर्दशी तिथि 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 08 मिनट पर शुरू होगी और उसका समापन 27 फरवरी को सुबह 8 बजकर 54 मिनट पर होगा। हिंदू धर्म में व्रत-त्योहार को उदया तिथि के आधार पर मनाने की परंपरा है, मगर महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव का जलाभिषेक व पूजा-अर्चना रात्रि में होती है। इसी कारण महाशिवरात्रि पर्व 26 फरवरी को ही मनाया जाएगा। महाशिवरात्रि पर्व पर ऐतिहासिक श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर मेंजलाभिषेक करने का अहुत अधिक महत्व है।

- महाशिवरात्रि पर्व का आध्यात्मिक ही नहीं वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत अधिक तहत्व है

महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान दूधेश्वर नाथ का जलाभिषेक करने व पूजा-अर्चना करने से भगवान दूधेश्वर की कृपा से सभी संकट व कष्ट दूर होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। महाशिवरात्रि पर्व पर मंदिर में लाखों भक्तों का सैलाब उमड़ता है। पूरे देशसे भक्त भगवान के जलाभिषेंक के लिए आते हैं।

इस बार भी देश भर के लाखों भक्त मंदिर पहुचकर भगवान का जलाभिषेक करेंगे और इसके लिए सभी सरकारी विभागों व अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग से ऐसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं कि जलाभिषेक के दौरान किसी भी भक्त को कोई परेशानी ना हो। श्रीहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व का आध्यात्मिक ही नहीं वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत अधिक तहत्व है।

महाशिवरात्रि पर्व की रात उत्तरी गोलार्द्ध इस प्रकार से अवस्थित होता है कि मनुष्य के शरीर के भीतर की ऊर्जा प्राकृतिक रूप से ऊपर ब्रह्मांड की ओर जाने लगती है। ऐसा लगता है कि मनुष्य को उसके आध्यात्मिक शिखर तक पहुंचाने में खुद प्रकृति भी मदद कर रही है। महाशिवरात्रि की रात को रीढ़ सीधी करके ध्यान मुद्रा में बैठने या मंत्रोच्चारण आदि करने से व्यक्ति को इस प्राकृतिक स्थिति का ज्यादा से ज्यादा फायदा मिलता है, जिससे उसका बल व आत्मविश्वास बढता है।

मवाना में ट्रेंच विधि से हुई बसंतकालीन गन्ना बुवाई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। चीनी मिल क्षेत्र मवाना के ग्राम जयसिंहपुर में जिला गन्ना अधिकारी मेरठ एवं संभागीय विज्ञापन अधिकारी परिक्षेत्र मेरठ द्वारा आज कृषक चंद्रहास राणा के खेत में गन्ना किस्म 13235 की बसंतकालीन गन्ना बुवाई ट्रेंच विधि से कराई गई। राणा द्वारा लोबिया की सहफसली खेती भी गन्ने के साथ की जा रही है।

कृषक द्वारा बीज उपचार कर बोया गया। तथा ट्राईकोडर्मा से भूमि उपचार किया गया है। राणा एक प्रगतिशील कृषक एवं गन्ना प्रतियोगिताओं के विजेता भी है। इनके द्वारा ड्रिप सिंचाई ट्रैश मल्चिंग आदि भी की जा रही है। गन्ना खेती के लिए राणा द्वारा आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। बुवाई के दौरान जिला गन्ना अधिकारी, संभागीय विज्ञापन अधिकारी साथ मवाना चीनी मिल के फील्ड स्टाफ एवं अन्य कृषक भी मौके पर उपस्थित रहे।

ज्योतिषीय वैचारिक गोष्टी एवं सम्मेलन का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बुलंदशहर। आज श्याम गंगा ज्योतिष एवं प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र, आदर्श नगर, बुलन्दशहर (यू०पी०) के तत्त्वाधान में ज्योतिषीय वैचारिक गोष्टी एवं सम्मेलन का आयोजन श्री श्याम गंगा ज्योतिष एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के संस्थापक डॉक्टर सुरेंद्र कुमार शर्मा 'महामण्डलेश्वर' द्वारा, स्थान-सी०ए० मनीष माँगलिक भवन, बजाज एजेन्सी के पास, काला आम, बुलंदशहर (यू० पी०) मे किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉक्टर विनायक पुलहजी एवं मंच संचालन डॉक्टर के०पी० मुद्गलजी के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ स्वस्तिवाचन और दीप प्रज्ज्लन के साथ हुआ। मंच पर महामण्डलेश्वर संत कमल किशोरजी, अधिवक्ता अखिलेश कौशिक व ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद् पंडित शिव कुमार शर्मा एवं भागवताचार्य पंडित बृजमोहन बृजवासी आसीन रहे। पंडित बृज किशोर बृजवासी द्वारा स्वस्तिवाचन मंत्रोच्चारण, दीप प्रज्ज्वलन किया गया। सम्मेलन में मुख्य रूप से दो विषय रखे गए थे।

वर्गोत्तम ग्रहों का निर्धारण और उनका जीवन पर प्रभाव, दूसरा अस्त ग्रहों का जन्म कुंडली के भाग्य निर्धारण में उपयोगिता। आगुन्तक विद्वानों में ज्योतिषाचार्य ललित पन्त, पंडित संदीप वशिष्ठ, आचार्य चंदर सिंह, धर्मेंद्र बंसल, रवि कौशिक, ज्योतिषाचार्या अंजू भल्ला, श्रीमती अंजलि गिरधर, राज आर्य आदि विद्वानों ने अपने अपने सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किए।

आयोजकों के द्वारा सभी विद्वानों को विभिन्न विधाओं की पुस्तकें व सम्मान पत्र सादर समर्पित किया गया। इसी मंच पर ज्योतिषाचार्या श्रीमती अंजू भल्ला द्वारा लिखित पुस्तक 'भाव' का विमोचन भी विद्वजनों के कर कमलों द्वारा किया गया।

महाकुंभ में अब तक 58 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। महाकुंभ में बृहस्पतिवार को शाम आठ बजे तक 1.28 करोड़ श्रद्धालुओं के गंगा और संगम में स्नान के साथ ही स्नान करने वालों की कुल संख्या 58 करोड़ से ज्यादा हो गई। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। महाकुंभ मेले के अंतिम चरण के सफल संचालन के लिये प्रदेश सरकार 1200 अतिरिक्त बसें चलाएगी। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, इन बसों का क्षेत्रवार आबंटन किया गया है ताकि श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि महाशिवरात्रि स्नान एवं 20 से 28 फरवरी, 2025 के लिए 1,200 बसें रिजर्व रखी गई हैं, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा ना हो। इसके अलावा संगम क्षेत्र में 750 शटल बसें पहले से संचालित की जा रही हैं। त्रिवेणी में डुबकी लगाने देश-विदेश से आ रहे करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रतिदिन लगभग 13 हजार क्यूसेक पानी गंगा बैराज से छोड़ा जा रहा है। प्रयागराज के सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता रमेश कुमार सिंह के मुताबिक दिसंबर 2024 से गंगा बैराज से नियमित अंतराल पर पानी छोड़ा जा रहा है। इस बीच, महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने की अवधि बृहस्पतिवार को 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक के लिए बढ़ा दी।

सेहत/स्वास्थ्य

पुरुषों में ज्यादा होता है हृदय रोगों का खतरा, जानिए कारण और बचाव का तरीका

हृदय को मजबूत बनाने के लिए नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन, संतुलित आहार और स्वास्थ्य की नियमित जांच बेहद जरूरी है। वहीं आप अपनी लाइफस्टाइल में छोटे-छोटे बदलाव कर हृदय स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम कर सकते हैं।

अनन्या मिश्रा

हृदय रोगों का खतरा महिलाओं की तुलना में पुरुषों में अधिक होता है। इसके पीछे कई हार्मोनल, जैविक और लाइफस्टाइल से जुड़ी वजहें हो सकती हैं। पुरुषों के हृदय स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम करने और हृदय को मजबूत बनाने के लिए नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन, संतुलित आहार और स्वास्थ्य की नियमित जांच बेहद जरूरी है।

वहीं आप अपनी लाइफस्टाइल में छोटे-छोटे बदलाव कर हृदय स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम कर सकते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों के हृदय स्वास्थ्य को अधिक खतरा क्यों और कैसे हो सकता है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पुरुषों को हृदय स्वास्थ्य को लेकर क्या खास ध्यान देने की जरूरत होती है।

हार्मोनल अंतर

पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन का लेवल उच्च होता है, जोकि एलडीएल को बढ़ाने और एचडीएल को कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है। वहीं महिलाओं में एस्ट्रोजन का लेवल दिल को सुरक्षा देने का काम करता है, लेकिन यह सुरक्षा पुरुषों में नहीं होती है।

लाइफस्टाइल में अंतर

बता दें कि पुरुषों में शराब और धूम्रपान पीने की प्रवृत्ति अधिक होती है। जोकि हृदय रोग का एक बड़ा कारण होता है। वहीं ऑयली फूड, जंक फूड और शर्करा के अधिक सेवन से मोटापा और उच्च कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्य

आमतौप पर पुरुष अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते हैं। अधिक तनाव और चिंता लेने पर इसका सीधा असर उनके हृदय पर पड़ता है।

ब्लड प्रेशर और डायबिटीज

हाई बीपी और डायबिटीज पुरुषों में अधिक सामान्य समस्या है। यह हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाते हैं।

जेनेटिक प्रवृत्ति

पुरुषों में आनुवांशिक रूप से हृदय रोग का जोखिम अधिक होता है। ऐसा तब होने के चांसेज अधिक होते हैं, जब परिवार में किसी को हृदय संबंधी समस्याएं रही हों।

हृदय रोगों से बचाव के उपाय

हृदय रोगों से बचाव के लिए दिल की मजबूती करना बेहद जरूरी है। इसके लिए अपनी लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव लाना चाहिए। साथ ही अपनी डाइट में पौष्टिक आहार शामिल करें।

हेल्दी डाइट लें

फाइबर युक्त आहार जैसे फल, सब्जियां, साबुन अनाज और दालों आदि का सेवन करें। इसके अलावा डाइट में ओमेगा-3 फैटी एसिड और नट्स आदि को शामिल करें। नमक और शक्कर की मात्रा कम करें।

नियमित व्यायाम करें

रोजाना 30 मिनट दौड़ना, साइकिलिंग या तैराकी आदि करें। इसके अलावा योग और प्राणायाम तनाव को कम करने और ब्लड सकुर्लेशन को सुचारू करने में सहायता करता है।

धूम्रपान और शराब का न करें सेवन

बता दें कि धूम्रपान हृदय की धमनियों को संकुचित करता है और हृदय रोगों का खतरा अधिक बढ़ता है। शराब आदि की सेवन नहीं करना चाहिए।

वेट कंट्रोल में रखें

मोटापा हृदय रोगों का बढ़ा कारण माना जाता है।

इसलिए स्वस्थ रहने के लिए वेट कंट्रोल में रखना जरूरी है।

ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की रेगुलर जांच

कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की नियमित जांच कराते रहें। अगर आपको ब्लड प्रेशर या फिर कोलेस्ट्रॉल अधिक है, तो आपको डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

ब्यूटी / फैशन

जिनसेंग की मदद से घर पर बनाएं जादुई एंटी-एजिंग सीरम, मिलेगी यंगर और यूथफुल स्किन

आप जिनसेंग को कुछ अन्य स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स के साथ मिक्स करके एंटी-एजिंग सीरम तैयार कर सकती हैं। आज हम आपको जिनसेंग की मदद से एंटी-एजिंग सीरम बनाने के आसान तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अनन्या मिश्रा

जैसे-जैसे व्यक्ति की उम्र बढ़ती है तो इसका असर सीधा आपकी स्किन पर पड़ता है। उम्र बढ़ने के साथ ही त्वचा पर रिंकल्स और फाइन लाइंस आने लगती हैं। इन संकेतों को दूर करने के लिए मार्केट में मिलने वाले स्किन केयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। हालांकि आप इसका नेचुरल उपाय भी ढूंढ सकते हैं। मसलन, जिनसेंग की सहायता से घर पर ही आप एंटी-एजिंग सीरम बना सकते हैं। क्योंकि जिनसेंग एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसलिए यह फ्री रेडिकल्स से लड़ने, कोलेजन प्रोडक्ट को बूस्ट करने में सहायता करता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है और स्किन अधिक यंगर नजर आती है। बता दें कि आप जिनसेंग को कुछ अन्य स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स के साथ मिक्स करके एंटी-एजिंग सीरम तैयार कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जिनसेंग की मदद से एंटी-एजिंग सीरम बनाने के आसान तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं एंटी-एजिंग सीरम

जिनसेंग उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकने में सहायक होती है। वहीं एलोवेरा के सूदिंग गुण हमारी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं और त्वचा को रिजुविनेट भी करता है। विटामिन ई ऑयल फ्री रेडिकल्स से लड़ने के साथ स्किन डैमेज को भी रिपेयर करने का काम करता है।

सामग्री

जिनसेंग पाउडर- 1 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 बड़े चम्मच
विटामिन ई ऑयल- 1 चम्मच

एंटी-एजिंग सीरम बनाने का तरीका

जिनसेंग पाउडर को एलोवेरा जेल के साथ अच्छे से मिक्स करें।

इसमें विटामिन ई ऑयल मिलाएं और अच्छे से मिक्स करें।

अब इसको एक कांच के कंटेनर में भरकर स्टोर कर लें।

पहले अपने फेस को साफ करें और फिर इस सीरम को अप्लाई करें।

जिनसेंग और शहद से बनाएं एंटी-एजिंग सीरम

बता दें कि जिनसेंग ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाता है और त्वचा की इलास्टिसिटी को इंप्रूव करता है। इससे आपकी त्वचा अधिक यंगर नजर आती है और कच्चा शहद एक नेचुरल ह्यूमेक्टेंट है। जो त्वचा को हाइड्रेटेड करता है और इससे आपकी त्वचा ज्यादा स्मूथ और सॉफ्ट नजर आती है। वहीं आपकी स्किन को गुलाब जल रिफ्रेशिंग अहसास करवाता है।

सामग्री

जिनसेंग पाउडर- 1 चम्मच
कच्चा शहद- 1 बड़ा चम्मच
गुलाब जल- 1 बड़ा चम्मच

ऐसे बनाएं

सबसे पहले जिनसेंग पाउडर को शहद के साथ तब तक मिक्स करें और जब तक यह चिकना पेस्ट न मिल जाए।

अब इसमें जरूरतनुसार गुलाब जल डालकर मिक्स करें।

इस तरह से सीरम बनकर तैयार है और आप इसको कांच के जार में स्टोर करें।

अब चेहरा साफ करके इसको अप्लाई करें और खासकर फाइन लाइन्स पर फोकस करें।

जिनसेंग और ग्रीन टी से बनाएं एंटी-एजिंग सीरम

ग्रीन टी पॉलीफेनोल से भरपूर होती है, जो आपकी त्वचा को जवां बनाए रखने में सहायता करता है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं और यह रेडनेस और सूजन को कम करता है। ग्लिसरीन एक ह्यूमेक्टेंट है, यह त्वचा के हाइड्रेशन को बनाए रखता है।

पर्यटन

महाशिवरात्रि पर महादेव के इस मंदिर का करें दर्शन, जानिए इस शिव मंदिर के चमत्कारी किस्से

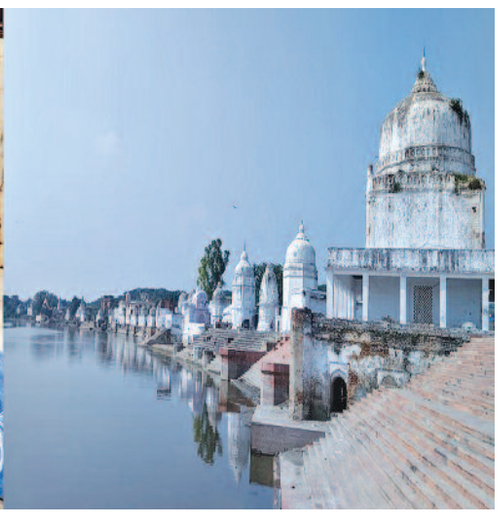

> महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी 2025 को है। अब महाशिवरात्रि के आने में ज्यादा दिन बचें नहीं है। अगर आप भी इस खास पर्व के मौके पर किसी प्रसिद्ध और चमत्कारी शिव मंदिर में दर्शन करना चाहते हैं, तो आप यूपी में मौजूद बटेश्वर धाम मंदिर जा सकते हैं। चलिए इसके बारे में आपको बताते हैं।

दिव्यांशी भदौरिया

शिवभक्तों को महाशिवरात्रि पर्व का लंबे समय से इंतजार रहता है। इस बार महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी 2025 को है। इस दिन भक्त भगवान शिव की पूजा करते हैं और उपवास रखते हैं। अगर आप महाशिवरात्रि के पर्व के दौरान किसी चमत्कारी शिव मंदिर का दर्शन करना चाहते है, जिसकी अपनी कई प्राचीन मान्यताएं और रोचक कहानियां भी है। इस आर्टिकल में हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे ही प्राचीन मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां आप जरुर जाएं।

कहां है बटेश्वर धाम मंदिर?

बटेश्वर धाम मंदिर, एक ऐसा मंदिर हैं, जो कई सौ साल पुराना है। यह मंदिर उत्तर प्रदेश के आगरा शहर से करीब 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बटेश्वर महादेव मंदिर यमुना नदी के तट पर स्थित है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, महाभारत काल में पांडवों के द्वारा इस मंदिर में कांवड चढ़ाई गई थी। इसलिए महाभारत काल से अब तक यह परंपरा चल रही है। बटेश्वर धाम एक चमत्कारी शिव मंदिर है। बता दें कि, भगवान शंकर का शिवलिंग यहां स्वयं प्रकट हुआ था। इस शिव मंदिर की काफी मान्यता है। भक्तों का मानना है कि भगवान शिव के मात्र दर्शन से आपकी सभी मनोकामना पूरी होने के साथ सभी परेशानियां दूर करते हैं।

इस मंदिर में सेठ-सेठानी की मुद्रा में शिव-पार्वती

इतना ही नहीं, यह 101 मंदिरों की शिव श्रृंखला वाला अनोखा शिव मंदिर है। इस मंदिर में शिवलिंग के अलावा शिव-पार्वती सेठ-सेठानी की मुद्रा में बैठे मिल जाएंगे। इस तरह की मूर्ति पूरी दुनिया में नहीं है। इस मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। इसके अलावा, इस मंदिर का निर्माण राजा बदन सिंह भदौरिया द्वारा कराया गया था।

बटेश्वर मंदिर से जुड़े दिलचस्प किस्से

- मान्यता के अनुसार, इस मंदिर की उत्पति आज से हजारों साल पहले पुराने बरगद के वृक्ष के बीच से हुई थी।
- जानकारी के मुताबिक, फेमस डाकू पान सिंह तोमर को जब भी डकैती में सफलता मिलती थी तो वो इसी मंदिर में घंटा चढ़ाते थे। ऐसे में इस मंदिर में आपको खूब सारे घंटे जंजीरों से बंधे दिख जाएंगे। भक्त लोग अपने मान्यता पूरी होने के बाद यहां घंटा जरुर चढ़ाते हैं।
- इतना ही नहीं, इस मंदिर में यमुना नहीं उलटी बहती है। यानि बटेश्वर धाम में यमुना पूरब से पश्चिम दिशा की ओर बहकर मंदिर का चक्कर लगाती है।
- इस मंदिर में सबसे ज्यादा शिवलिंग है।

- इस मंदिर को लेकर एक रोचक कहानी यह है कि यहां स्थित शिवलिंग को चाहे जितने भी चावलों से ढका जाए, फिर भी वे पूरी तरह नहीं ढकता।

महाशिवरात्रि और सावन के महीने में यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है। हर साल यहां पर अक्टूबर और नवंबर महीने में पशु मेला लगता है। बटेश्वर का मेला पूरे भारत में प्रसिद्ध है। इसके अलावा, आप मंदिर के पास स्थित नदी में आप नाव की सवारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

घरेलू नुस्खे

इस महाशिवरात्रि पर बनाएं कच्चे केले के व्रत वाले कटलेट, खाने के बाद एनर्जिट बने रहेंगे

महाशिवरात्रि के दिन लोग भोलेनाथ की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के दिन कुछ लोग सात्विक खाना खाते हैं, तो वहीं कुछ लोग फलाहरी चीजों को खाते हैं। इस लेख में कच्चे केले कटलेट बना सकते है।

दिव्यांशी भदौरिया

सनातन धर्म में महाशिवरात्रि का पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव को समर्पित होता है। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की त्रियोदशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन शिव शक्ति का मिलन हुआ था। इस दिन भगवान शिव वैराग्य को त्यागकर माता पार्वती के संग शादी के बंधन में बंधे थे। इस दिन शिव भक्त उपवास रखते हैं और शिव मंदिर जाकर पूजा करते हैं। अगर आप व्रत में फलाहारी चीजों को खाते हैं तो इस बार अपने लिए कच्चे केले से कटलेट बनाएं। इसको आप चटनी या दही के साथ खा सकते हैं। आइए आपको बताते हैं इसकी रेसिपी।

कच्चे केले से कटलेट बनाने के लिए आपको चाहिए-

- 3 कच्चे केले
- 2 मीडियम साइड के उबले आलू
- 1/4 कप साबूदाना आटा
- 2 हरी मिर्ट कटी हुई
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 चम्मच भुना जीरा पाउडर
- सूखे पुदीने के पत्ते
- - स्वादानुसार सेंधा नमक
- तलने के लिए तेल या घी

कैसे बनाएं कच्चे केले से कटलेट

कच्चे केले के कटलेट बनाने के लिए केले और और आलू का उबाल लें। अब कुकर आलू और केले दोनों को छील लें। फिर एक बड़े कटोरे में निकालें। आलू और केले को एक साथ मैश करें और फिर इसमें सभी मसाले डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर दें।

आखिर में साबूदाने का आटा डालें। अच्छे से मिक्स करने के बाद टिक्की को आकार दें। इसके लिए हाथों को चिकना कर लें और फिर छोटे-छोटे कटलेट बना लें।

फिर एक नॉन स्टिक पैन पर तेल या घी डालें और फिर कटलेट को सेक लें। दोनों तरफ से भूरा रंग होने तक कटलेट के सेकें।

एसआरएम इंस्टीट्यूट में हुआ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एसआरएम इंस्टीट्यूट में रसायन विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। विज्ञान और अनुसंधान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाते हुए, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस के रसायन विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का विषय विकसित भारत 2047: रासायनिक एवं जैविक विज्ञान के माध्यम से अप्राप्त तक पहुंच' (वीबीसीबी-2025) था, जो विज्ञान की ताकत से समाज के हर कोने तक विकास पहुंचाने के संकल्प को दर्शाता है।

सम्मेलन की शुरूआत एक आध्यात्मिक माहौल में सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद प्रो. (डॉ.) नवीन अहलावत (डीन - एसएंडएच एवं संयोजक, वीबीसीबी-2025) ने सभी प्रतिभागियों और गणमान्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने विज्ञान और अनुसंधान में इस तरह के मंचों की भूमिका पर जोर दिया।

इसके बाद, प्रो. (डॉ.) धौम्या भट्ट (डीन - आईक्यूएसी) ने सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जबकि प्रो. (डॉ.) आर. पी. महापात्रा ने विशेष संबोधन में विज्ञान और शिक्षा के आपसी संबंधों को रेखांकित किया।

सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण जर्मनी के हम्बोल्ट-यूनिवर्सिटीट जू बर्लिन के प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. (डॉ.) क्रिस्टोफ एरेंज का संबोधन रहा, जिसमें उन्होंने रसायन विज्ञान में नवीनतम खोजों और उनकी सामाजिक उपयोगिता पर अपने विचार साझा किए।

मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) दुलाल पांडा, एफएनए (निदेशक, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, मोहाली) ने उद्घाटन भाषण में विज्ञान को आम जनता तक पहुंचाने और नवाचार को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।सम्मेलन के अंत में डॉ. गरिमा पांडेय (सह-संयोजक, वीबीसीबी-2025) ने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। यह सम्मेलन विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग, नवाचार और नई संभावनाओं के द्वार खोलने का एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुआ, जो आने वाले वर्षों में भारतीय वैज्ञानिक जगत को और सशक्त बनाएगा।

इस सम्मेलन में 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने अपने शोध प्रस्तुत किए' जिसमें से 10 सर्वश्रेष्ठ पोस्टर और सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिया गए' यह सम्मेलन एएनआरएफ और सीएसआईआर द्वारा वित्तपोषित और एसीएस, आरएससी, थिएम, स्प्रिंगर और उवसार इंडिया द्वारा प्रायोजित किया गया। इस अंतराष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने में डॉ रवि, डॉ करिश्मा, डॉ भावना, डॉ अमिया , डॉ प्रियंका, डॉ पल्लवी एवं रसायन विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक गणों का सराहनीय योगदान रहा' समारोह के समापन पर, हम एसआरएम आईएसटी के निर्देशक डॉ. एस. विश्वनाथन, डीन डॉ. आर.पी. महापात्रा , डीन साइंस एंड ह्यूमैनिटीज डॉ॰ नवीन अहलावत ,डीन आईक्यूएसी डॉ धौम्या भट्ट सह संयोजक डॉ. गरिमा पांडेय का हार्दिक धन्यवाद करते हैं। उनके मार्गदर्शन और प्रेरक संदेश ने इस आयोजन को सफल और प्रेरणादायक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वर्णकार समाज के शपथ ग्रहण में जुटे सैकड़ों स्वर्णकार रत्न

राज्सभा सांसद ने दिलाई पद गोपनीयता की शपथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। स्वर्णकार समाज मोदीनगर का रविवार को शपथ ग्रहण समारोह धूमधाम से मनाया गया। राज्यसभा सांसद ने अध्यक्ष सहित समस्त मंत्रीमंडल को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाते हुये समाज को संगठित व एक सूत्र में बधंने की सीख दी।

मुल्तानीमल मोदी पी0जी0 कॉलिज के सभागार में स्वर्णकार समाज के आयोजित हुये शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से समाज के आदि पुरूष अजमीढ़ जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा, राज्यसभा सांसद डॉ0 प्रदीप वर्मा, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी व पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने संयुक्त रूप से संस्था के अध्यक्ष मोहित सोनी व मंत्री मंडल के सभी सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ ने संगठन को एक सूत्र में बंधने व जागरूकता का संदेश दिया। डॉ0 प्रदीप वर्मा ने संगठन की शक्तियों तथा एकता पर बल देते हुये संगठन के विस्तार व सामाजिक उत्थान की बात कही। कैलाश सोनी ने अपने अनुभवों को शेयर करते हुये कहा कि संगठन में ही शक्ति निहित है हमें संगठन के कार्यों व समाज के हितों को ध्यान में रखते हुये कार्य करने होंगे। उन्होंने अपील की कि स्वर्णकार समाज शिक्षा व एकता के साथ राजनीति में भी अपनी अहम भागेदारी निभावें। पालिकाध्यक्ष विनोद वैशाली ने स्वर्णकार समाज को संगठन के विस्तार व सामाजिक उत्थान की बात कही। कैलाश सोनी ने अपने अनुभवों को शेयर करते हुये कहा कि संगठन में ही शक्ति निहित है हमें संगठन के कार्यों व समाज के हितों को ध्यान में रखते हुये कार्य करने होंगे। उन्होंने अपील की कि स्वर्णकार समाज शिक्षा व एकता के साथ राजनीति में भी अपनी अहम भागेदारी निभावें। पालिकाध्यक्ष की और से समाज के बच्चों के विवाह व अन्य कार्यक्रमों के मद्देनजर एक धर्मशाला शीघ्र ही सौपे जाने का वचन दिया, और कहा कि वह हर संभव समाज के हितार्थ कार्य करते रहेंगे। विनोद वैशाली की इस घोषणा पर समाज के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में अतिथियों को महाराज अजमीढ़ जी सम्मान व शॉल भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व मुल्तानीमंल पी0जी0 कॉलिज परिसर गेट पर अतिथियों ने अजमीढ़ जी महाराज के नाम से त्रिवेणी वृक्ष भी रोपा। इस दौरान एमएलसी जीवन कुमार वर्मा, जल शक्ति राज्यमंत्री के निजी सचिव सुभाष सोनी, निजी सचिव केन्द्रीय कानूनी मंत्री डॉ0 राजीव वर्मा, एसीपी अक्षय वर्मा, महेश वर्मा (डायमंड वाले) आदित्य बिरला समूह के अध्यक्ष डॉ0 विनोद वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश शर्मा, पूर्व पार्षद सत्यम भारतीय सोनी, पार्षद दीपक वर्मा, सभासद दुष्यत सोनी, राकेश शास्त्री, राजन वर्मा, सुरेश चन्द्र सोनी, पूर्व सभासद रवि वर्मा, मोंटी वर्मा, ऋषिपाल वर्मा, परमात्मा शरण वर्मा हर्षित वर्मा, विकास सोनी, सुंदर लाल सोनी, धीरज सोनी, व्यापारी नेता महेष तायल, अमित गोयल, विकास भारती, विष्णु वर्मा, अंकित वर्मा, एड0 जितेन्द्र वर्मा,सौरभ सोनी आदि सैकड़ों स्वर्णकार समाज की नामचीन हस्तिया मौजूद रही। मंच का संचालन अरूण वर्मा व मनोज सोनी ने संयुक्त रूप से किया।

खेलों से होता है बच्चों का सर्वांगीण विकास: अंबिका गौड

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- छाया पब्लिक स्कूल में हुआ तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का शुभारंभ
- विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक देकर सम्मानित किया गया

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक व बैडमिंटन के राष्ट्रीय खिलाड़ी अखिलेश द्विवेदी द्वारा फीता काटकर किया गया उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास पैदा होता है जो उन्हें किसी भी तरह की विषम परिस्थितियों में सही निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। मुख्य अतिथि अंबिका गौड ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेलों के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है खेल बच्चों को मानसिक, शारीरिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक देकर सम्मानित किया गया विधालय के प्रधानाचार्य डॉ अरूण त्यागी ने बताया की तीन दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, खो खो,क्रिकेट, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन व मनोरंजक खेलो में विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे इस अवसर पर खेल अधिकारी योगी आशीष, खेल प्रशिक्षक प्रवीण तोमर, नैना शर्मा, अविनाश, मोनिका, अर्चना, नीतू आदि मौजूद रहे।

डॉ. धौम्या भट्ट को पांचवें वूमेन प्रेस्टीज अवार्ड से किया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। वूमेन प्रेस्टीज अवार्ड एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएम आईएसटी), मोदीनगर की डीन (आईक्यूएसी) डॉ. धौम्या भट्ट को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए पांचवें वूमेन प्रेस्टीज अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान नारी शक्ति एवं नई पहल फाउंडेशन और लायंस क्लब दिल्ली वेज के संयुक्त तत्वावधान में प्रदान किया गया। यह भव्य आयोजन नई दिल्ली के एग्जीक्यूटिव क्लब रिसॉर्ट में संपन्न हुआ, जिसमें देशभर से प्रतिष्ठित महिला उद्यमी, समाजसेवी, कलाकार, शिक्षाविद, वैज्ञानिक, डॉक्टर, वकील और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। डॉ. धौम्या भट्ट ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, गुणवत्ता सुधार और अनुसंधान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों ने न केवल संस्थान की शैक्षिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में भी योगदान दिया है। उनकी नेतृत्व क्षमता, समर्पण और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान के योग्य बनाया। वूमेन प्रेस्टीज अवार्ड उन महिलाओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य किया है। यह सम्मान महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने का कार्य करता है। पुरस्कार प्राप्त करने पर डॉ. धौम्या भट्ट ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'यह सम्मान न केवल मेरा, बल्कि पूरे शैक्षिक जगत का सम्मान है। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता लाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान देना मेरा उद्देश्य है।

अच्छे, ईमानदार और जुझारु नेता हैं रामपाल चौधरी: रामकिशोर अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पूर्व राज्यमंत्री रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि रालोद के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी अच्छे,ईमानदार और जुझारु नेता है । इनका कोई विरोध नहीं है। जो पद इनको दिया गया है उसके लायक है यह। इनके आचार विचार से वह पूरी तरह से सहमत हैं। लघु उद्योग भारती संस्था के तत्तवावधान में राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट सीकरी कलां में रालोद के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी के स्वागत समारोह में आयोजित एक कार्यक्रम में अध्यक्षता करते हुए पूर्व राज्यमंत्री रामकिशोर अग्रवाल ने उक्त बात कही। इस मौके पर चौधरी रामपाल सिंह ने कहा कि पद आते जाते हैं व्यक्ति का व्यक्तित्व ही काम आता है। उन्होंने रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उनमें जो विश्वास जताया है उस पर पूरी तरह से खरा उतरने का वह प्रयास करेंगे।भाजपा नेता डा.पवन सिंघल ने कहा कि जो जिम्मेदारी उनको दी गई है वह उसे बखूबी निभाएंगे। इनका व्यवहार राजनीति उपर उठकर है। संस्थान के सचिव अमित अग्रवाल ने कहा कि यह और उंचाईयों पर जाए ऐसी वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर गन्ना समिति के चेयरमैन राजन चौधरी, प्रधान मनोज, प्रवीण मित्तल, अनिल मित्तल, नवीन जायसवाल आदि ने विचार रखते हुए राम पाल चौधरी को जुझारु नेता बताया। इस अवसर पर संजीव यादव, सरमेश प्रधान,पियूष गुप्ता, अरविंद अग्रवाल, सतेंद्र शर्मा. ईश्वर चंदस अशोक अग्रवाल, सतेंद्र गौतम, राजीव शर्मा, सागर व चांदवीर आदि ने भी स्वागत किया। संचालन रुपचंद शर्मा ने किया।

समाजवादी पीडीए पंचायत का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। समाजवादी पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन की अध्यक्षता और राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति के नेतृत्व में कादराबाद मोदीनगर में आयोजित की गई ,जिसका संचालन शहर अध्यक्ष सचिन दीक्षित के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन के द्वारा पंचायत को संबोधित करते हुए कहां कि पीडीए उत्तर प्रदेश का ही नहीं पूरे देश का आंदोलन बन चुका है हमारा उद्देश्य है कि पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक आदिवासी आदि आबादी पिछड़ा स्वर्ण को उसका पूरा हक और सम्मान मिले। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति, कालूराम धामा, श्रवण त्यागी, सुरेंद्र त्यागी, सत्येंद्र शर्मा, प्रवीण पजापति, प्रदीप शर्मा, देवव्रत धामा, उत्तम त्यागी, सुनील शर्मा, ऋषि शर्मा, कमलेश चौधरी, सुनील शर्मा, मनीष बंसल, राजेश जटव, दुलीचंद प्रजापति, एसके वर्मा, कर्मवीर प्रधान, आरिफ आदि ने पीडीए पंचायत को लेकर अपने विचार रखें इस अवसर पर सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। बार एसोसिएशन मोदीनगर से जुड़े अधिवक्ताओं ने केन्द्र सरकार द्वारा एडवोकेट एक्ट एमेंडमेन्ट एक्ट 2025 को अधिवक्ता विरोधी होने के कारण वापिस लिये जाने के सम्बन्ध में एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सोपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि केन्द्र सरकार द्वारा एडवोकेट एक्ट एमेंडमेन्ट एक्ट 2025 को पास करने से पूर्व उसमें किये गये संशोधनो के लिये सभी देश के अधिवक्ताओ से सुझाव / राय मांगी गयी है। केन्द्र सरकार द्वारा एडवोकेट एक्ट एमेंडमेन्ट एक्ट 2025 में संशोधन किये गये वो पूर्णतः अधिवक्ता विरोधी व सरकार की अधिवक्ता दमनकारी निति की और इशारा करते है क्योकि अधिवक्ता ही सरकार की गलत नितियो एवंम निर्णय विरोध वादकारीयो के माध्यम से व पी०आई०एल० के माध्यम से समक्ष न्यायालयो में वाद योजित करते है। इसी को रोकने के उददेश्य से उपरोक्त बिल में अधिवक्ताओ के अधिकारी का शोषण करने के उददेश्यो से अनेक संशोधन किये गये है।अधिवक्ताओ को अपने अधिकारो की लडाई के लिये हडताल पर पूर्णतः रोक लगाई गयी है जो कि पूर्णतः विधि विरूद्ध है और मौलिक अधिकारो का भी हनन है।कोई भी वादी झूठा प्रार्थना पत्र अधिवक्ता के विरूद्ध दे देता है तो उसमें अधिवक्ता पर तीन लाख रुपए तक जुमार्ना व अन्य प्रावधान किये गये है। जो कि विधि विरूद्ध है।उपरोक्त संशोधन बिल में न्यायपालिका को अधिवक्ताओ के उपर कंटेम्ट लगाने की असीम शक्ति दी गयी है। जोकि पूर्णतः विधि विरूद्ध है उपरोक्त एक्ट में जो भी संशोधन किये गये है वह पूर्णतः औचित्यहीन है। जिसकी न तो किसी बार कौशिल द्वारा डिमांड/मांग की गयी है, ना ही संघ या एसोसिएशन द्वारा डिमांड की गयी है। यह कि उपरोक्त संशोधन बिल में सरकार अपने भ्रष्टाचार व अपनी दौषपूर्ण नितियो को छिपाने के लिये और अधिवक्ता की आवाज को दबाने / कुचलने के उददेश्यो से लाया जा रहा है। जिसका तहसील मोदीनगर में सभी अधिवक्तागण व साथ-साथ राज्य व सम्पूर्ण भारत वर्ष का अधिवक्ता समाज पूर्णतः विरोध करता है। उपरोक्त बिल को तत्काल वापिस लिया जाये अन्यथा अधिवक्ता समाज एक नई कान्ति के लिये एक जुट होकर सरकार द्वारा अधिवक्ताओ के अधिकारो पर किये जा रहे कुठारघात को सरंक्षरण करने लिये एकजूट होकर सर्घष करने के लिये विवश होगा।

ज्ञापन में कहा गया है कि केन्द्र सरकार द्वारा एडवोकेट एक्ट एमेंडमेंन्ट एक्ट 2025 को अधिवक्ता विरोधी होने के कारण तत्काल वापिस लिया जाए अधिवक्ताओ के अधिकारो को संरक्षरण करने व प्रत्येक तहसील स्तर पर अधिवक्ताओ के लिये चैम्बर निर्माण की लिये फंड जारी किया जावे व वेलफेयर सम्बन्धि योजना बनाये जावे व अधिवक्ताओ के लिये स्वास्थ्य बीमा सम्बन्धि योजना व आयुषमान दस लाख रुपए तक का इलाज मुक्त किये जाये। आदि योजनाओ को लागू करने संबंधी मांग शामिल हैं।